हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 20 अप्रैल 2025

तापमान
अधिकतम 42 .5 डिग्री
न्यूनतम 27 .0 डिग्री

11 एचएयू की उन्नति सभी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत...

12 विश्वासपुरम कॉलोनी में बनने वाली सड़कें अब...

खबर संक्षेप

जनमानस सेवा समिति का रक्तदान शिविर आज

हिसार। जनमानस सेवा समिति की ओर से सातवां रक्तदान शिविर रविवार को पुरानी सब्जीमंडी चौक स्थित सरकारी मिडल स्कूल नंबर-3 में लगाया जाएगा। शिविर का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। जनमानस सेवा समिति के प्रेस प्रवक्ता अंबिका प्रसाद ने बताया कि शिविर में मुख्यातिथि के रूप में हिसार की विधायक सावित्री जिंदल शिरकत करेंगी। अध्यक्षता जनमानस सेवा समिति के प्रधान राकेश सैनी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा नेता रामनिवास राड़ा, डॉ. बलबीर सैनी, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर दयानंद सैनी, अनिल सैनी मानी, एडवोकेट ललित मोहन, पार्षद भीम महाजन आदि लोग पहुंचेंगे। ब्लड बैंक, सर्वोदय अस्पताल की टीम का सहयोग रहेगा।

मांगों को लेकर आज कुरुक्षेत्र में करेंगे प्रदर्शन

नारनौंद। रिटायर्ड कर्मचारी संघ ब्लॉक नारनौंद की कार्यकारिणी की मीटिंग भगत सिंह पुस्तकालय नारनौंद में बुलाई गई, जिसकी अध्यक्षता रिटायर्ड कर्मचारी संघ ब्लॉक नारनौंद के प्रधान मास्टर रामस्वरूप ने की तथा संचालन सचिव रोहतास शर्मा ने किया। बैठक रविवार को सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा सेक्टर 2 मुख्यमंत्री के गृह जिला कुरुक्षेत्र में विरोध प्रदर्शन को लेकर बुलाई गई थी। इस मीटिंग में मदनलाल, सेवा सिंह, नसीब सिंह, सतवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, कृष्ण कुमार, विकास गौतम, राजबीर सुलचानी इत्यादि विशेष तौर पर मौजूद थे।

एक राष्ट्र एक चुनाव का किया समर्थन

बरवाला। न्यू क्लॉथ मार्केट में स्थित युवा भाजपा नेता राहुल चोपड़ा के कार्यालय एक मीटिंग हुई। इसमें न्यू क्लॉथ मार्केट एसोसिएशन के प्रधान मदन लाल गिरधर ने एक राष्ट्र एक चुनाव की सोच का समर्थन किया और समय के साथ इसे जरूरी भी बताया। वहां उपस्थित पंजाबी सभा के सदस्यों पूर्व पार्षद प्रतिनिधि मोनू संदूजा, सुनील मेहता, राहुल चोपड़ा व महेंद्र सेतिया आदि ने भी इसका समर्थन किया। इस अवसर पर नगरपालिका वाइस चेयरमैन तारा चंद नलवा, प्रधान डॉक्टर देशराज वर्मा, पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि पंकज बादल, पूर्व प्रधान प्रवीण सैनी, अनूप सैनी व जगरूप सिंह आदि मौजूद रहे।

5 हजार रुपये भेजे, फिर लगाया 85 हजार चूना

हिसार। साइबर ठगों ने सेक्टर-14 की एक महिला के साथ धोखाधड़ी कर 85 हजार 63 रुपये हड़प लिए। साइबर ठगों ने पहले महिला के खाते में 5,000 रुपये डाले और बाद में अपने झांसे में लेते 85 हजार से अधिक रुपये का चूना लगा दिया। पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

ट्रक से लोहे की चैन चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

हिसार। सदर थाना पुलिस ने शहर के सेक्टर 27-28 में खड़े ट्रक से लोहे की चैन चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें इंद्र कॉलोनी सातरोड खास निवासी जसबीर उर्फ जस्सी व सागर शामिल है। एएसआई सूरजमल ने बताया कि सेक्टर 13 के नितिन कुमार ने 22 जनवरी को सेक्टर 27-28 स्थित उसके ट्रांसपोर्ट के ऑफिस के सामने खड़े ट्रक से लोहे की चैन चोरी होने के बारे में शिकायत दी थी।

पति, सास और ससुर पर दहेज हत्या का केस दर्ज

बरवाला। क्षेत्र के गांव खेदड़ में लगभग 23 वर्षीय उर्मिला की मौत मामले में पुलिस ने उसके पति, सास व ससुर पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने मृतका के पिता राजबीर की शिकायत पर दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है।
मृतका के पिता व अन्य परिजनों ने आरोप लगाया कि ससुरालवालों ने उर्मिला को तालाब में डुबोकर मार दिया।

हिसार। कॉलोनी में लगी आग व आसपास खड़े लोग। फोटो: हरिभूमि

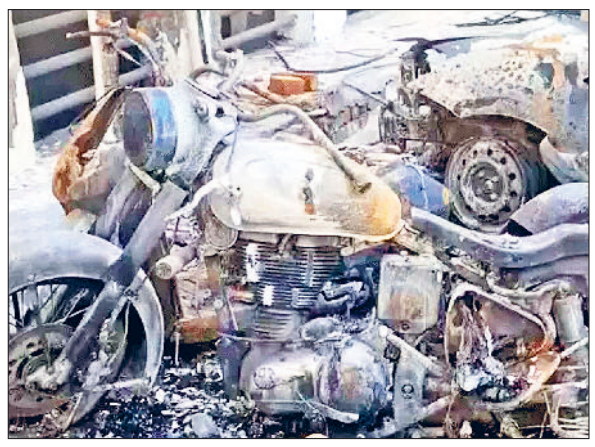

हिसार। आग से जले बाइक व स्कूटी। फोटो: हरिभूमि

हिसार। कारों में लगी आग बुझाते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

शनिवार अलसुबह डीसी एमसी कॉलोनी में खड़े एक दर्जन से अधिक वाहनों में अचानक लगी आग

सिल्वर अपार्टमेंट में आग का तांडव, कारें, बाइक व स्कूटी जले

पानी से नहीं बुझी तो कैमिकल फोम से पाया आग पर काबू, पुलिस आसपास में लगी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

शहर की डीसी एमसी कॉलोनी में खड़े कुछ वाहनों में अचानक आग लग गई। बाइक, स्कूटी और कार इस आग की चपेट में आ गई। जब वाहनों में धमाके होने लगे तो लोगों को पता चला और उनमें हड़कंप मच गया। उन्होंने आग की सूचना फायर ब्रिगेड व पुलिस को दी। इस दौरान आसपास के लोगों ने दो कारों के शीशे तोड़कर उन्हें पीछे धकेल दिया जिस वजह से ये कारें जलने से बच गईं लेकिन तीन कार, 11 बाइक व स्कूटी आग की चपेट में आ गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। आग के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

पुलिस आसपास में लगी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी है। बताया जा रहा है कि शहर की सिल्वर अपार्टमेंट के बाहर शनिवार अलसुबह स्कूटी में आग लग गई। स्कूटी की आग ने पास में खड़ी कारों और बाइकों को चपेट में ले लिया। इस दौरान गाड़ियों के टायर फटने लगे। धमाकों की आवाज पर लोग उठे और मौके पर पहुंचे। जो वाहन आग की चपेट में आए, उनमें एक आई-20 कार, एक स्विफ्ट और एक वेन्यू गाड़ी शामिल है। आई-20 कार वाहन मालिक ने चार महीने पहले ही खरीदी थी। एक अनुमान के अनुसार इस आग की घटना से 45 से 50 लाख रुपये तक का नुकसान बताया जा रहा है। हालांकि अभी आग के कारणों का पता नहीं चल पाया है लेकिन लोगों का कहना है कि ये किसी की शरारत हो सकती है।

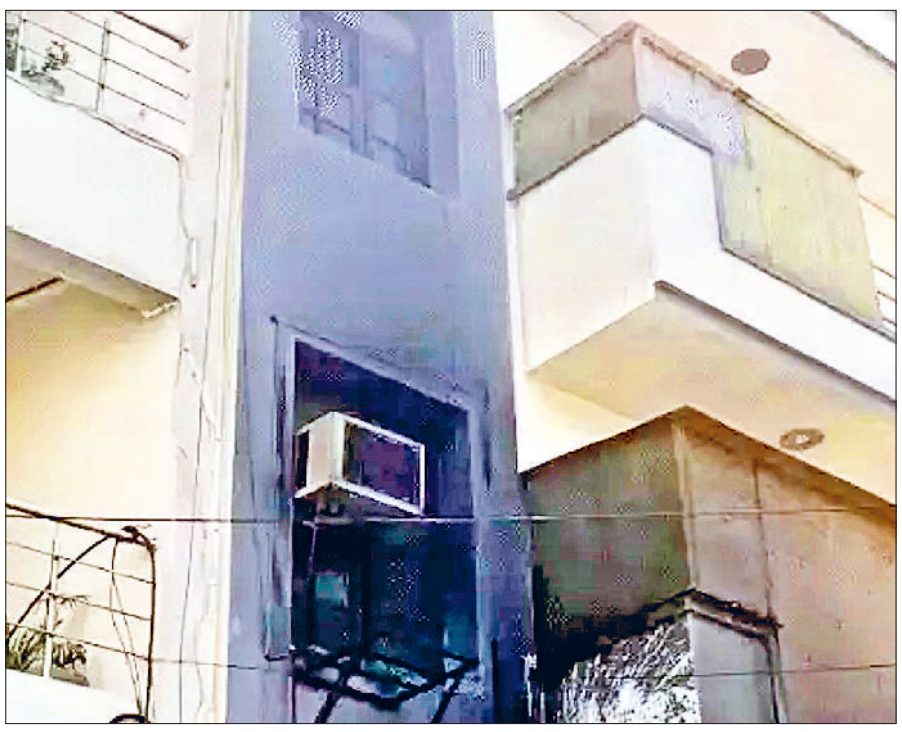

हिसार। आग की वजह से काली हुई पास की बिल्डिंग। फोटो: हरिभूमि

चार महीने पहले ली नई आई-20 भी जली

मौके पर मौजूद सागर नामक व्यक्ति ने बताया कि उसने चार महीने पहले ही नई आई-20 गाड़ी ली थी, जिसमें आज सुबह आग लग गई। इसके अलावा मोहित जैन की दो गाड़ियां जल गईं। इनमें स्विफ्ट और वेन्यू कार शामिल हैं। वेन्यू कार एक साल पहले ही ली थी। आसपास के लोगों ने बताया कि आग से काफी धुआं उठ रहा था। गनीमत यह रही की हवा चलने से धुआं दूसरी तरफ चला गया, वर्ना अपार्टमेंट की तरफ धुआं आता तो परेशानी हो सकती थी।

पुलिस की जांच जारी

मौके पर पहुंचे पुलिस जांच अधिकारी कपिल ने बताया कि दो बुलेट बाइक, तीन स्कूटी, पांच-छह अन्य बाइक और गाड़ियों में आग लगी थी। आग किस कारण से लगी है, इसका अभी पता नहीं लग पाया है। आसपास सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिसे चैक करने के बाद ही पता लग पाएगा कि आग लगने का असली कारण क्या है।

इन जगहों पर लगी आग

- ऋषि नगर में कूड़ा कर्कट में आग।
- लांधड़ी एरिया में गेहूं की फसल में आग।
- डाटा गांव के खेतों में आग।
- किरमारा में गेहूं के खेत में आग।
- माजरा के खेतों में आग।
- मिर्जापुर में खेत में आग।
- बुगाना में तूड़ी व गेहूं के अवशेष में आग।
- सुभाष मार्केट हिसार।
- बुरे ब्राहमाण में खेत में आग।
- न्यू मॉडल टाऊन एरिया में मकान में आग।
- सिवानी में गोदाम में आग।
- हिसार डीसी कॉलोनी में वाहनों में आग।
- स्याहड़वा के जंगली एरिया में आग।
- चंदन नगर एरिया में खेत में आग।
- राजगुरु मार्केट एरिया में दुकान में आग।

गारमेंटस की दुकान में लगी आग

आर्य समाज मंदिर मार्केट में शनिवार सुबह एक गारमेंटस की दुकान में आग लग गई। आग पर आसपास के दुकानदारों व अन्य लोगों की मदद से काबू पा लिया गया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है। दुकान स्वामी विनोद मेहता ने बताया कि सुबह लगभग 10 बजे उन्हें उनकी दुकान में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही वे तुरंत दुकान पर पहुंच गए और जाकर देखा तो दुकान में आग लगी हुई थी। आसपास के दुकानदारों व अन्य लोगों की सहायता से आग को बुझाया गया। विनोद के अनुसार जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक दुकान में रखा गारमेंटस का सामान, लैपटॉप व एयरकंडिशनर आदि जल गए।

गुरुग्राम जा रहे युवक ने दमकल विभाग को दी सूचना

इस दौरान गुरुग्राम जा रहे आकाश ने फायर ब्रिगेड और डायल 112 को सूचना दी। मौके पर इकट्ठा हुए लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की। उन्होंने वहां पर खड़ी दो गाड़ियों को बचा लिया। इस बीच फायर ब्रिगेड टीम और अर्बन एस्टेट पुलिस मौके पर पहुंची।फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने बताया कि पानी से आग नहीं बुझ पा रही थी, जिसके चलते 40 लीटर केमिकल फोम का प्रयोग करके आग पर काबू पाया गया।

दो दिन में 30 जगहों पर आग ने मचाया तांडव

पिछले दो दिनों में आग ने जमकर तांडव मचाया। इस दौरान करीब 30 जगहों पर लगने की घटनाएं हुई। इनमें से अधिकतर घटनाएं शुक्रवार की देर सायं जिलेभर में अंधड़ के चलते हुई। दमकल विभाग के अनुसार हिसार में करीब 15, हांसी में 7, बरवाला में 3 और आदमपुर एरिया में 5 आग लगने की घटनाएं हुई। दमकल कर्मी ने मौके पर पहुंच कर पुलिस व स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया।

बिजली स्पार्किंग से लगी आग सीसवाला में 30 एकड़ गेहूं जली

हिसार। निकटवर्ती गांव सीसवाला में बिजली स्पार्किंग की वजह से हुए बड़े हादसे में खेतों में आग लग गई। हादसे में लगभग 30 एकड़ गेहूं जलकर राख हो गई। गुरुवार देर रात हुई इस घटना में किसान प्रदीप, विजय और विनय भोभिया के खेतों में गेहूं की फसल जल गई। इस संबंध में बिजली पोल से हो रही स्पार्किंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आग लगने की सूचना मिलते ही सीसवाला, किरतान, रावलवास खुर्द और खारिया के सैकड़ों ग्रामीण मदद के लिए पहुंचे। ग्रामीण ट्रैक्टर और पानी के टैंकर लेकर आए। फायर ब्रिगेड एक घंटे की देरी से पहुंची। इससे पहले ही ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया था। आंधी के बाद हुई बारिश ने भी आग बुझाने में मदद की।

अवैध संबंधों के चलते पति की हत्या

- पत्नी समेत छह लोगों पर केस दर्ज, पुलिस छानबीन में जुटी
- हत्यारोपियों की गिरफ्तार नहीं होने तक परिजनों से शव उठाने से किया इंकार

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार-भादरा मार्ग पर संजय नगर में एक व्यक्ति की हत्या की जाने का मामला सामने आया है। हत्या की वजह मृतक व्यक्ति 33 वर्षीय राधेश्याम की पत्नी मोनिका का रोहताश मास्टर के साथ अवैध संबंधों को होना था। मृतक के शव को नागरिक अस्पताल में मोर्चरी में रखवा दिया गया है। उधर, मृतक के परिजनों ने शव का उठाने से इंकार करते हुए कहा कि मामले से जुड़े हत्यारोपियों की गिरफ्तार नहीं होने तक वे शव नहीं उठाएंगे। फिलहाल पुलिस ने मृतक के भाई पवन की शिकायत पर पत्नी मोनिका, रोहताश मास्टर, उसकी पत्नी उषा, मोनिका के पिता संतलाल, भाई राजेश और एक अन्य पर हत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में चंदन नगर की ढाणी संजय नगर में रहने वाले पवन ने बताया कि मैं और मेरा बड़ा भाई राधेश्याम पलंबर का काम करते हैं और दोनों अलग-अलग रहते हैं। राधेश्याम कई बार मुझे बताता था कि मेरी भाभी मोनिका के रोहताश मास्टर के साथ अवैध संबंध है। उसे कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं मान रही। इस बात को लेकर उनमें अकसर लड़ाई-झगड़ा होता रहता था। शिकायतकर्ता ने बताया कि बीती रात मैं, मेरे पिता रामकिशन व मेरी पत्नी मंजू बाला मजदूर के साथ खेतों में गेहूं निकाल रहे थे। राधेश्याम, मेरा मौसा ट्रैक्टर चालक हंसराज हमारे पास आए और हंसी मजाक करने लगे।

मृतक राधेश्याम का फाइल फोटो

पुलिस को सूचना दी

शिकायतकर्ता के अनुसार शनिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे मुझे मेरे ताऊ भूपसिह के चिल्लाने की आवाज आई और कहा कि जल्दी आओ, राधेश्याम बैड पर पडा है, उसे कुछ हो गया है। मैं व मेरे पिता रामकिशन व हमारे परिवार व पडोस के व्यक्ति राधेश्याम के घर पहुचे और हमने देखा कि राधेश्याम बैड पर अचेत अवस्था पडा है। हमने हाथ लगा कर चैक किया तो उसका शरीर अकड़ा हुआ था। मैंने डायल 112 पर फोन करके पुलिस को सूचना दी।

दुकानदार ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

- मौके से सुसाइड नोट बरामद एक महिला और उसकी दो लड़कियों के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

हांसी मार्ग वार्ड नंबर 12 में बीती रात्रि जनरल स्टोर के एक दुकानदार ने अपनी ही दुकान के अंदर पंखे से चुन्नी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने सूचना पाते ही थाना प्रभारी दलबीर सिंह पूनिया ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर फांसी पर लटके दुकानदार को फंदे से नीचे उतारा और मृतक दुकानदार के शव को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई आरंभ कर दी। सीन ऑफ क्राइम टीम ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल के आसपास अहम पहलुओं की बड़ी बारीकी से जांच पड़ताल की। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। इस सुसाइड नोट में मृतक दुकानदार ने अपनी मौत का जिम्मेवार एक महिला और उसकी दो लड़कियों को ठहराया है। पुलिस ने मृतक दुकानदार के बड़े भाई गांव पंघाल निवासी कर्मबीर के बयान पर रचना, रचना की बहन व रचना की मां के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मृतक दुकानदार के शव का हिसार नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है।

बरवाला। मौके पर पुलिस कार्रवाई करते हुए। फोटो: हरिभूमि

अनिल कुमार का फाइल फोटो

परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

जांच अधिकारी एस.आई राजबीर सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात्रि को गांव पंघाल निवासी अनिल कुमार (28) ने हांसी मार्ग वार्ड नंबर 12 में श्री श्याम जनरल स्टोर नामक अपनी ही दुकान के अंदर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा था।

सीएम फ्लाइंग ने लगाया साढ़े चार लाख का जुर्माना

- आदमपुर में गेहूं का स्टाक लगा मार्केट फीस न भरने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी आदमपुर

आदमपुर क्षेत्र में इस समय गेहूं कटाई का कार्य जोरों पर है। किसान फसल बेचने के लिए मंडी में लाने के बजाय प्राइवेट गोदामों में उतार रहे हैं। यही कारण है कि मंडी में पिछले साल के मुकाबले अभी तक 50 फीसद गेहूं भी नहीं पहुंचा है। क्योंकि निजी गोदामों में गेहूं का स्टाक जा रहा है।

शनिवार को आदमपुर में गुप्त सूचना के आधार पर मुख्यमंत्री उडऩदस्ते की टीम ने हनुमान कालोनी स्थित नवदुर्गा आयल एंड जनरल मिल और गेहूं के गोदाम में स्टाक की जांच की।

जांच में सामने आया कि फैक्ट्री में 4456 क्विंटल गेहूं खुले में मिला, जिसकी मार्केट फीस दी हुई है और फैक्ट्री के सामने ही सुभाष चंद्र हर्ष कुमार फर्म ने गोदाम में 50-50 किलो के 7300 बैग गेहूं के स्टाक किए हुए थे। जिसका मार्केट कमेटी में कोई रिकार्ड दर्ज नही था।

टीम में शामिल उप पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार, मुख्यमंत्री उडऩदस्ता इंचार्ज उपनिरीक्षक सुनैना ने मार्केट कमेटी सचिव राहुल यादव व मंडी सुपरवाइजर सुनील कुमार के साथ कार्रवाई करते हुए फर्म पर चार लाख 43 हजार 476 रुपये का जुर्माना लगाया है।

पुलिस पर मामले के मास्टरमाइंड को बचाने का आरोप

अंबेडकर प्रतिमा खंडित होने के विरोध में धरने पर ग्रामीण

- अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी पुलिस टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

अग्रोहा थाना क्षेत्र के गांव नंगथला में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा खंडित करने के विरोध में ग्रामीणों ने लघु सचिवालय के बाहर धरना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की कार्रवाई से वे संतुष्ट नहीं हैं। उधर, अग्रोहा पुलिस इस मामले में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है लघु सचिवालय के बाहर धरने पर बैठे ग्रामीणों ने बताया कि गांव के प्राइमरी स्कूल के पास स्थित पार्क में लगी प्रतिमा को कुछ शरारती तत्वों ने गत 14 अप्रैल को खंडित कर दिया था। इस मामले में सरपंच मोनिका की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। हिसार पुलिस की एबीवीटी और थाना अग्रोहा की संयुक्त टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है लेकिन धरनारत लोगों का कहना है कि वे पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है। गिरफ्तार किए दो आरोपियों नंगथला निवासी परेश उर्फ रिकु और खेड़ी बर्की निवासी राहुल उर्फ चीकू इस समय न्यायिक हिरासत में हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस मामले के मास्टरमाइंड को बचाने का प्रयास कर रही है। उनका कहना है कि इस घटना में और भी लोग शामिल हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर पुलिस ने अपना रवैया नहीं बदला और सही जांच नहीं की, तो वे प्रदेश स्तर पर आंदोलन करेंगे। हिसार के लघु सचिवालय के गेट पर धरने पर बैठे ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार को प्रशासन का पुतला फूंकेंगे।

हिसार। लघु सचिवालय के बाहर धरना देते ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

तीसरे आरोपी को दबोचा

उधर अग्रोहा पुलिस टीम ने गांव नगथला के पार्क में लगी डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा को खंडित करने के मामले में तीसरे आरोपी नंगथला निवासी रामजन को गिरफ्तार किया है। सहायक उप निरीक्षक रामनिवास ने बताया कि थाना अग्रोहा में गांव नंगथला की सरपंच मोनिका ने 14 अप्रैल को गांव के प्राइमरी स्कूल के पास पार्क में लगी डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा को शरारती तत्वों के द्वारा खंडित करने के बारे शिकायत दी थी।

हाइब्रिड फंड्स हो सकते हैं निवेश के बढ़िया विकल्प

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- बाजार में उथल-पुथल होने पर निवेशक घबरा जाते हैं
- प्योर इक्विटी फंड्स में पैसे लगाने से कतराने लगते हैं
- ऐसे समय में हाइब्रिड फंड्स अच्छा रिटर्न देने में सक्षम

इस समय देश के इक्विटी मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव का दौर काफी समय से जारी है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर ने इसे और हवा दे दी है। इस माहौल में कई निवेशकों को प्योर इक्विटी फंड्स में निवेश करना बहुत जोखिम भरा लगने लगा है। उनके मन में यह सवाल हो सकता है कि ऐसा कौन सा विकल्प है, जहां कम रिस्क में बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश हो सकती है? उनके इस सवाल का एक जवाब हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में भी मिल सकता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स के जरिये एक ही स्कीम में पैसे लगाकर इक्विटी, डेट और कई बार गोल्ड जैसे एसेट्स में भी निवेश किया जा सकता है। इस डायवर्सिफिकेशन की वजह से रिस्क और रिटर्न के बीच बेहतर बैलेंस बना रहता है। बाजार की गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश सुरक्षा देता है और जब बाजार चढ़ता है तो इक्विटी से रिटर्न बढ़ते हैं। हाइब्रिड फंड्स भी कई अलग-अलग कैटेगरी में बंटे होते हैं, जिनमें निवेशक अपने निवेश के लक्ष्य, इनवेस्टमेंट होराइजन और रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर सही फंड का चुनाव कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड्स की प्रमुख कैटेगरी की खूबियों के साथ-साथ उनके टॉप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न की रेंज का जिक्र किया है, ताकि उनके बारे में निवेशकों को शुरुआती आइडिया मिल जाए।

टॉप 5 फंड्स का पिछला रिटर्न

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड : कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न
अगर आप रिस्क से बचते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से थोड़ा बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स आपके लिए सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें 75-90 फीसदी निवेश डेट इंस्ट्रूमेंट्स में होता है और केवल 10-25 फीसदी इक्विटी में लगाया जाता है। ऐसे फंड्स तीन साल या उससे अधिक समय के निवेश के लिए बेहतर रहते हैं।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में : 10.75 % से 11.45%
- 3 साल में : 10.22 % से 11.78 %
- 5 साल में :13.11% से 14.15%
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट का बेहतर संतुलन
जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए थोड़ा बहुत रिस्क ले सकते हैं, उनके लिए बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हैं. इनमें इक्विटी और डेट का हिस्सा लगभग 50:50 होता है। हालांकि फिलहाल इस कैटेगरी में स्कीम्स की संख्या सिर्फ 2 है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में :10.56% से 11.59%
- 3 साल में: कोई फंड नहीं
- 5 साल में: कोई फंड नहीं
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई से बहुत अधिक

डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स (बीएएफ): एक्टिव स्ट्रैटजी का फायदा : जो निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार अपने पोर्टफोलियो का संतुलन बदलते रहना चाहते हैं, उनके लिए डायनैमिक एसेट एलोकेशन या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड बेहतर साबित हो सकते हैं। ये फंड बाजार की चाल के अनुसार इक्विटी और डेट में 0 से 100 प्रतिशत तक का संतुलन बनाते हैं। हालांकि इनमें जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन लंबे समय में अच्छे रिटर्न की संभावना भी होती है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में 10.51% **to** 13.12%
- 3 साल में: 12.84% **to** 19.19%
- 5 साल में: 17.34% **to** 26.49%

रिस्क लेवल : बहुत अधिक

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स: डायवर्सिफिकेशन पर जोर
अगर आप अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लासेज जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में बांटना चाहते हैं, तो मल्टी एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हैं। इस कैटेगरी के फंड्स में तीनों एसेट में कम से कम 10% निवेश किया जाता है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.74% **to** 16.38%
- 3 साल में: 14.31% **to** 18.11%
- 5 साल में: 18.99% **to** 31.87%
- रिस्क लेवल : अधिक से बहुत अधिक

इक्विटी सेविंग्स फंड्स: टैक्स सेविंग के साथ स्टेबल इनकम
टैक्स एफिशिएंट और स्टेबल रिटर्न चाहने वाले निवेशकों के लिए इक्विटी सेविंग्स फंड सही विकल्प हैं। इनमें इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज का मिक्स होता है। इनमें कम से कम 3 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 9.54% **to** 11.59%
- 3 साल में: 11.01% **to** 11.96%
- 5 साल में: 14.56 % **to** 16.62%
- रिस्क लेवल : मॉडरेट से मॉडरेटली हाई

आर्बिट्राज फंड्स: शॉर्ट टर्म और टैक्स एफीशिएंट
अगर आप कुछ महीनों के लिए पैसे पार्क करना चाहते हैं और टैक्स भी कम देना चाहते हैं, तो आर्बिट्राज फंड सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें रिस्क काफी कम होता है और रिटर्न भी एफडी जैसे हो सकते हैं। इनमें कुछ महीनों से लेकर 1 साल तक के लिए निवेश करना बेहतर माना जाता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 7.96% **to** 8.03%
- 3 साल में: 7.41% **to** 7.66%
- 5 साल में: 6.20% **to** 6.34%
- रिस्क लेवल : कम जोखिम

एग्रेसिव हाइब्रिड फंड : डेट के कुशन के साथ इक्विटी में निवेश
जो निवेशक पहली बार इक्विटी में निवेश शुरू करना चाहते हैं लेकिन सीधे प्योर इक्विटी फंड में जाने से घबराते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इनका 65% से 80% तक निवेश इक्विटी में और बाकी डेट में होता है। इनमें रिस्क बाकी हाइब्रिड फंड्स के मुकाबले अधिक होता है, लेकिन बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश भी रहती है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.85% **to** 17.29%
- 3 साल में: 16.08% **to** 20.75%
- 5 साल में: 24.56% **to** 29.34%
- रिस्क लेवल : बहुत अधिक

अपने लिए चुनें सही हाइब्रिड फंड : बाजार की उथल-पुथल के बीच हाइब्रिड फंड्स आपके आर्थिक उद्देश्यों के मुताबिक लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए एक स्मार्ट ऑप्शन हो सकते हैं। हर कैटेगरी का रिस्क-रिटर्न प्रोफाइल अलग है, इसलिए फंड कैटेगरी को सावधानी के साथ चुनें।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश सबके लिए सही

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

- अगर आप भी एसआईपी के जरिये निवेश कर रहे हैं तो जान कुछ बातें
- म्यूचुअल फंड के 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह कहां लगा रहे पैसा
- उसका फंड मैनेजर कौन है, पूछेंगे तो सिर्फ यही बोलेंगे कि एसआईपी कर रहे

अक्सर सुनने में आता है कि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआई) के जरिये निवेश करना सबसे बेहतर तरीका होता है। लेकिन ऐसा क्यों है। इस पर कोई विचार नहीं करता, जबकि निवेश करने से पहले पता होना चाहिए कि एसआईपी के जरिये निवेश क्यों सही है। यदि यह जानकारी आपको नहीं है तो नुकसान भी हो सकता है। निवेश करने के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस भी समय-समय पर जांचना भी जरूरी होता है। टीवी, रेडियो, ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिये 'म्यूचुअल फंड सही है' का स्लोगन हम सभी ने जरूर सुना है। आए दिन कोई न कोई क्रिकेटर, बॉलीवुड स्टार या दूसरे फिल्ड के सेलिब्रिटी म्यूचुअल फंड का प्रचार करते दिख जाते हैं। म्यूचुअल फंड सही है। लेकिन, क्या वकई में म्यूचुअल फंड सभी के लिए बिल्कुल सही है? इसका जवाब है नहीं। म्यूचुअल फंड सभी के लिए सही नहीं है। अगर आपका लक्ष्य छोटा है या उम्र अधिक है तो म्यूचुअल फंड सही नहीं है। बाजार में मौजूदा गिरावट के बाद कई लोगों का म्यूचुअल फंड का रिटर्न 3 साल बाद भी निगेटिव हो गया है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि किसके लिए म्यूचुअल फंड सही हैं और किसके लिए नहीं।

एसआईपी के फायदे

- **नियमित निवेश:** एसआईपी आपको नियमित रूप से निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- **रुपये कॉस्ट एवरेजिंग:** एसआईपी आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ उठाने की अनुमति देता है, जिसमें आप बाजार की उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से निवेश करते हैं।
- **निवेश अनुशासन:** एसआईपी आपको निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- **लंबी अवधि के लिए निवेश:** एसआईपी आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसआईपी के प्रकार : म्यूचुअल फंड एसआईपी: म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। **स्टॉक एसआईपी:** स्टॉक एसआईपी में आप नियमित रूप से स्टॉक में निवेश करते हैं।

आंख मूंद कर निवेश नहीं करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह किस फंड में निवेश कर रहे हैं। उसका फंड मैनेजर कौन है? पूछेंगे तो बोलेंगे कि हम तो एसआईपी कर रहे हैं, जबकि एसआईपी एक जरिया है म्यूचुअल फंड में निवेश करने का। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जानकारी जुटाएं। किसी की सलाह पर सुनी सुनाई बातों पर निवेश न कर दें। म्यूचुअल फंड में सही फंड का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर नुकसान उठाना होगा। सही फंड चुनने के लिए आपको बाजार को समझना होगा। निवेश के तरीकों और अपने लक्ष्य को देखना होगा। यह जानना जरूरी है कि हम निवेश क्यों और किस लिए कर रहे हैं। इसलिए निवेश करते समय एक बार पूरी जानकारी जुटाएं।

रिटर्न निवेश का पैमाना नहीं

लोग अक्सर सोचते हैं कि जो फंड अभी सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वही उनके लिए सही रहेगा। लेकिन हर म्यूचुअल फंड स्कीम अलग होती है। अगर उस स्कीम का इंवेस्टमेंट ऑब्जेक्टिव और रिस्क प्रोफाइल आपकी जरूरतों से मेल नहीं खाता, तो वह फंड आपके लिए सही नहीं है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है वरना आप झटका भी खा सकते हैं।

स्कीम को जरूर जांचें

यह जरूरी है कि आप फंड हाउस की इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी, फंड मैनेजर की योग्यता, और रिस्क मैनेजमेंट प्रोसेस को भी समझें। एक ही कैटेगरी में अलग-अलग स्कीम्स का प्रदर्शन अलग हो सकता है। कोई भी निवेश करने से पहले एक बार स्कीम को जरूर जांच लें। उसके प्रदर्शन पर नजर रखें और समीक्षा करते रहें।

निगरानी करना सीखें

सही स्कीम चुन लेना ही काफी नहीं। निवेश के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस समय-समय पर जांचना भी जरूरी है। समय-समय पर देखें कि क्या फंड आपके लक्ष्य के अनुसार चल रहा है? अगर नहीं तो उसमें बदलाव करें। अगर ये पांच काम आप कर सकते हैं तो ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप अपने पैसे को सुरक्षित भी रख पाएंगे और सही रिटर्न भी ले पाएंगे। अन्यथा आप फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट में निवेश करें।

जोखिम लेने की क्षमता है तो ही निवेश करें

अगर आपमें जोखिम लेने की क्षमता है तो ही म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिय निवेश करें। म्यूचुअल फंड निवेश पर मार्केट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, क्रेडिट रिस्क, जीडीपी ग्रोथ रिस्क आदि होता है। अगर आप जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं तो ही निवेश करें। अन्यथा बैंक एफडी, पीपीएफ, आरडी या दूसरी फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आपको रिटर्न मिलता रहेगा। भले की कुछ कम क्यों न हो।

पहला घर खरीदने के लिए करें फाइनेंशियल प्लानिंग

- कुछ टिप्स आपके आ सकते हैं काफी काम
- एक बड़ा डाउन पेमेंट दे सकता है राहत
- लोन की राशि और ब्याज के बोझ को कर सकता है कम
- संपत्ति के मूल्य का 20-30% बचाने का टारगेट रखें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना पहला घर खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को पल्ले बांध लें। इससे आपको घर खरीदने में आसानी रहेगे और लोन की किस्तें भी समय पर चुका पाएंगे। बस आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा। इसके बाद अपना मकान बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अक्सर देखने में आता है कि जब आप पढ़ाई करते हैं फिर अपना करियर शुरू करते हैं तो इसके बाद एक घर खरीदने के सपने को पंख लगने शुरू हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है कि एक घर अपना हो। इसके लिए आपको काफी तैयारी करनी होती है। प्लानिंग करनी होती है। तब जाकर आप अपना घर खरीद पाते हैं। अगर आप अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए पहले से कुछ तैयारियां करनी चाहिए, ताकि आगे आपके लिए किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए आपको कुछ खास बातों पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके काफी काम आएंगी।

पहले होमवर्क करना जरूरी

घर खरीदने से पहले आपको कुछ होमवर्क करना होगा। इससे आपके कई काम आसान हो जाएंगे। सबसे पहले यह तय करें कि जो मकान खरीदने जा रहे हैं वह अप्रूव्ड है या नहीं। इसके बाद उसके सभी कागज एक बार जरूर चेक करें और किसी जानकार से भी जांच करवा लें, ताकि आपके साथ कोई धोखाधड़ी न हो सके। असली मालिक कौन है। प्रॉपर्टी कौन सी जगह है। बिल्डर सही है या नहीं आद। इसके बाद आप अपने सपनों का घर आसानी से खरीद सकेंगे।

अपनी वित्तीय क्षमता को समझें

पहला घर खरीदने के फैसले से पहले आपको अपनी वित्तीय क्षमता और अपनी वित्तीय सेहत का आकलन करना चाहिए। अपनी इनकम, खर्च और बचत तय करें। यह कैलकुलेट करें कि आप मासिक किस्त (ईएमआई) के लिए कितना फंड आराम से अलॉट कर सकते हैं। टाटा हाउसिंग के मुताबिक, सामान्य नियम यह है कि आपकी ईएमआई आपकी शुद्ध इनकम के 30% से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे ज्यादा होगी तो आपको बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने फंड का एक बार आकलन जरूर कर लें।

डाउनपेमेंट के लिए बचत करें

घर खरीदते समय जितना संभव हो सके डाउनपेमेंट कर देना चाहिए और बाकी अमाउंट के लिए होम लोन लेना चाहिए। डाउन पेमेंट के लिए बचत करें। एक बड़ा डाउन पेमेंट आपके लोन की राशि और ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकता है। संपत्ति के मूल्य का कम से कम 20-30% बचाने का टारगेट रखें। इस फंड को बनाने के लिए रेकरिंग डिपोजिट या सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे ऑप्शन पर विचार कर सकते हैं।

होम लोन विकल्पों को तलाशें

अगर आपको पहला घर खरीदने के लिए डाउनपेमेंट की रकम के अलावा होम लोन लेने की जरूरत हो तो अलग-अलग बैंकों या उधारदाताओं पर शोध करें, और ब्याज दरों, अवधि विकल्पों और छिपे हुए शुल्कों की तुलना जरूर करें। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकार समर्थित योजनाएं अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती हैं।

छिपे हुए खर्च का जरूर रखें ध्यान

घर खरीदने में कई बार ऐसे खर्च आपके सामने आ सकते हैं जिसके बारे में आपको शायद पहले से पता न हो। इस वजह से छिपी हुई लागतों को ध्यान में रखें। पहली बार घर या प्रॉपर्टी की लागत और संपत्ति खरीदने के लिए किसी भी लोन के अलावा, कई खर्चे सामने आएंगे जैसे स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रॉपर्टी टैक्स और मेंटेनेंस कॉस्ट आवश्यक विचार हैं। इनके लिए बजट बनाना वित्तीय आश्चर्यों से बचाएगा।

जल्दबाजी न करें

हर इंसान चाहता है कि वह खुद के घर में रहें। खुद का घर खरीदना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही बड़ी बात होती है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो बैंक से होम लोन लेकर घर खरीदते हैं, तो कुछ लोग अपनी जिंदगीभर की कमाई को लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में घर को खरीदते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। घर खरीदते समय ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको अच्छे से जान लेना चाहिए। आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग काफी ध्यान से करनी चाहिए। फाइनेंस के अलावा भी ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको ध्यान रखना चाहिए।

बचत
फैक्टर फंडों का एयूएम 14,000 करोड़ से बढ़कर 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ से अधिक हुआ, लोगों को खूब भा रहा

गुणवत्ता कारक निवेश : आधारभूत निवेश करने का एक अनुशासित तरीका, देश में अब इसके प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है रुझान

जानकारी
प्रतीक ओसवाल

भारत में कारक-आधारित निवेश के प्रति रुझान बढ़ा है, क्योंकि निवेशक विभिन्न बाजार चक्रों के दौरान लाभ प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियों की तलाश करते हैं। यह रणनीति पैसिव और ऐक्टिव निवेश के बीच के अंतर को पाटने का काम करती है, क्योंकि यह दोनों तरीकों में से सबसे उपयुक्त बातों को मिलाकर बनती है। पारंपरिक निवेश रणनीति, जो बाजार के उतार-चढ़ावों से प्रभावित हो सकती है, से अलग कारक आधारित निवेश अनुकूल विशेषताओं वाले शेयरों को पहचानने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण देती है। भारत में फैक्टर फंडों का एयूएम पिछले वर्ष में दोगुने से अधिक हो गया है, जो एक वर्ष पहले के14,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। विभिन्न कारक रणनीतियों में से, गुणवत्ता कारक निवेश पर अक्सर उस अवधि के दौरान विचार किया जाता है जब मूल्यांकन अपने चरम पर होता है, विकास के अवसर कम हो जाते हैं, और निवेशक मजबूत बुनियादी बातों वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करके स्थिरता की तलाश करते हैं। ऐसी अवधियों में गुणवत्ता कारक अस्थिर बाजार स्थितियों में कुछ हद तक लचीलापन और स्थिरता प्रदान करके निवेशकों को अनिश्चितता का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है। स्थिरता और विकास को संतुलित करने की इसकी क्षमता के कारण बाजार में कम विश्वास होने पर यह एक पसंदीदा रणनीति बन जाती है।

क्या है गुणवत्ता कारक

गुणवत्ता कारक एक निवेश रणनीति है, जिसके अंतर्गत उन कम्पनियों को चुना जाता है, जिनकी बुनियादी बातें मजबूत होती हैं। यह उन फर्मों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनके पास लाभप्रदता, कुशल पूंजी उपयोग और वित्तीय स्थिरता का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। ये कंपनियां अक्सर कम अस्थिरता प्रदर्शित करती हैं, जिससे वे स्थिरता की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त बन जाती हैं।

यह एक विश्वसनीय रणनीति

गुणवत्तापूर्ण निवेश अस्थिर बाजारों में बने रहने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति है, जिसमें मजबूत बुनियादी बातों, स्थिर आय और कुशल पूँजी आवंटन वाली कंपनियों पर जोर दिया जाता है। भारतीय और वैश्विक बाजारों में मौजूदा अनिश्चितता को देखते हुए, गुणवत्ता कारक निवेशकों को दीर्घकालिक विकास के अवसरों को प्राप्त करते हुए नकारात्मक जोखिमों से बचने का एक संरचित तरीका प्रदान करता है। जैसे-जैसे निवेश के रुझान बदलते हैं, वित्तीयऔर मौलिक रूप से मजबूत कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करने से निवेशकों को आर्थिक मंदी का सामना करने और भविष्य के बाजार सुधारों में भाग लेने में मदद मिल सकती है।

ये अनुपात बताए

- **इक्विटी पर रिटर्न (आरओई):** यह मापता है कि कंपनी शेयरधारकों की इक्विटी से कितने प्रभावी ढंग से लाभ कमाती है।
- **ऋण-से-इक्विटी अनुपात :** यह अनुपात वित्तीय उत्तोलन और कंपनी द्वारा अपने ऋण को जिम्मेदारी सेप्रबंधित करने की क्षमता का आकलन करता है।
- **आय स्थिरता :** यह अनुपात समय के साथ कंपनी की आय की स्थिरता का मूल्यांकन करता है।
- **उपार्जन अनुपात :** यह नकदी प्रवाह प्रबंधन का विश्लेषण करके आय की गुणवत्ता निर्धारित करता है।
- इन कारकों पर ध्यान केंद्रित करके, गुणवत्तापूर्ण निवेश यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो में चयनित कंपनियों के पास टिकाऊ व्यवसाय मॉडल हों और वे वित्तीय संकट से कम प्रभावित हों।

सबसे लंबा बुल रन

बीएसई क्वालिटी इंडेक्स ने पांच सालों में 22% का वार्षिक प्रतिफल दिया, जो इसके मूल सूचकांक, बीएसई लार्ज मिडकैप से 4.01% बेहतर प्रदर्शन है। 2020 के दौरान, जब बाजार दूसरी छमाही में रिकवरी की राह पर था, इसने मजबूती से प्रदर्शन किया और 26% का प्रतिफल दिया। लंबी अवधि में भी, गुणवत्ता सूचकांक ने पिछले 19 कैलेंडर वर्षों में 72% मामलों में अपने मूल सूचकांक से बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इसकी निरंतरता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि गुणवत्ता सिर्फ़ एक कारक नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक बेहतर प्रदर्शन की तलाश के लिए एक संरचित दृष्टिकोण भी हो सकता है।

क्वालिटी फैक्टर विश्वसनीय विकल्प

मजबूत वित्तीय मेट्रिक्स वाली कंपनियां आम तौर पर चुनौतीपूर्ण आर्थिक स्थितियों से निपटने और व्यापक बाजार के स्थिर होने पर तेजी से उबरने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित होती हैं। अनिश्चित समय या शुरुआती रिकवरी चरणों के दौरान, निवेशक अक्सर सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाली वित्तीय रूप से स्थिर कंपनियों की ओर आकर्षित होते हैं। गुणवत्ता कारक मंदी और बाजार की रिकवरी के दौरान बाजार में बने रहनेके लिए विशेष रूप से प्रभावी होता है। मंदी के दौर में, इसने औसतन सिर्फ़ -27% की गिरावट का अनुभव किया, जो कम अस्थिरता कारक से थोड़ा कम है, जिसे अपनी प्रकृति के अनुसारकम गिरावट का अनुभव करने के लिए डिजाइन किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि रिकवरी चरण के दौरान, क्वालिटी फैक्टर ने 41% का संचयी वार्षिक रिटर्न दिया, जो मूल्यांकन कारक फैक्टर के बाद दूसरे स्थान पर है। यह स्थिरता इसे विभिन्न बाजार चक्रों में संतुलित प्रदर्शन की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना सकती है।

निष्क्रिय गुणवत्ता कारक निवेश क्यों अहम

1. मानवीय पूर्वाग्रहों को दूर करता है - गुणवत्ता कारक में पैसिव निवेश मात्रात्मक डेटा पर निर्भर करता है, जो भावनात्मक निर्णय लेने से बचाता है।
2. व्यवस्थित और पारदर्शी - एक नियम-आधारित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि इसमें केवल वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों को ही शामिल किया जाए।
3. बेहतर जोखिम-समायोजित प्रतिफल प्रदान करता है - गुणवत्ता निवेश कम लागत के साथ स्थिरता, लचीलापन व टिकाऊ दीर्घकालिक विकास प्रदान करता है।

इक्विटी निवेश के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए, निष्क्रिय गुणवत्ता कारक फंड सक्रिय स्टॉक चयन के लिए एक कुशल, कम लागत वाला विकल्प हो सकता है।

स्रोत: एनएसई; बीएसई; एसीईएमएफ; एमओएएमसी

(लेखक मोतीलाल ओसवाल एसेट मेनेजमेंट कंपनी लि. के बिजनस पैसिव फंड प्रमुख हैं)

(डिस्क्लेमर : म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।)

खबर संक्षेप

मैंस को साइड मारने पर ट्रैक्टर चालक का हाथ तोड़ा

हांसी। मदनहेड़ी गांव में ट्रैक्टर-ट्राली में गेहूं की तूड़ी ढोने वाले ट्रैक्टर चालक पर एक युवक द्वारा लकड़ी के बिंडे से जानलेवा हमला किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मारपीट में घायल मदनहेड़ी निवासी मनोज को परिजनों द्वारा उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उपरांत उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हिसार रेफर कर दिया लेकिन परिजनों ने उसे हांसी के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है। सूचना मिलने पर बास थाना पुलिस ने निजी अस्पताल पहुंच घायल मनोज के बयान पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीसीटीवी में कैद हुआ चोरी के लिए आया युवक

हिसार। शहर की न्यू नवदीप कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरी की घटना को अंजाम देते हुए अज्ञात चोर घर से 50 हजार की नकदी व आभूषण चुरा ले गए। चोर सीसीटीवी में कैद हो गया है, जिसके आधार पर पुलिस उसकी तलाश में लगी है। न्यू नवदीप कॉलोनी निवासी अनिल कुमार के घर से चोर चार सोने की अंगूठियां, चांदी की पायल और 50 हजार रुपए की नगदी ले उड़े। अनिल कुमार गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में कार्यरत है। सीसीटीवी कैमरे में आई फुटेज के अनुसार चोर दीवार फांदकर घर के अंदर जाता हुआ नजर आ रहा है। अनिल कुमार अपनी पत्नी के साथ भतीजे उपेंद्र को कुत्ते के काटने का इंजेक्शन लगवाने नागरिक अस्पताल गए थे। वे शनिवार सुबह 9 बजे घर से निकले और 11:15 बजे लौटे। घर पहुंचने पर गैलरी का ताला टूटा मिला और अंदर का सामान बिखरा हुआ था। अनिल ने बताया कि चोर अलमारी से गहने और नगदी ले गए। चोर हथौड़ी और पेचकस मौके पर ही छोड़ गया। गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक संदिग्ध युवक नजर आया है। उसने चेहरा कपड़े से ढका हुआ था। वह दीवार फांदकर घर में घुस गया।

विश्वविद्यालय शिक्षक संघ हौटा ने किया फेकल्टी मीट का आयोजन

एचएयू की उन्नति सभी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत का परिणाम : प्रो. काम्बोज

हौटा प्रधान डॉ. अशोक गोदारा व अन्य पदाधिकारियों और पूर्व प्रधानों ने कुलपति का स्वागत किया

हरिभूम न्युज ▶▶| हिसार

हिसार । कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज का स्वागत करते हौटा प्रधान डॉ. अशोक गोदारा व अन्य पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों की मेहनत के चलते विश्वविद्यालय लगातार उन्नति की तरफ है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में और मेहनत करके किसान वर्ग की भलाई के लिए कार्य किए जाएंगे।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (हौटा) की ओर से आयोजित फैकल्टी मीट कार्यक्रम में शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस आयोजन के लिए शिक्षक संघ को बधाई देते हुए स्वागत के लिए आभार जताया और कहा कि पिछले चार वर्षों में विभिन्न फसलों की 44 किस्में विकसित की गई। इसके अलावा विश्वविद्यालय को आईसीएआर से ए प्लस ग्रेड मिला तथा देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में तीसरा स्थान प्राप्त किया। यह सभी वैज्ञानिकों व कर्मचारियों की मेहनत का ही परिणाम है। आने वाले समय में एचएयू को देशभर में प्रथम स्थान पर लाने के लिए हम सब मिलकर प्रयास करेंगे। इससे पहले शिक्षक संघ के प्रधान डॉ. अशोक गोदारा ने कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज को दूसरी बार कार्यकाल देने पर कुलाधिपति एवं महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया।

उन्होंने सभी शिक्षकों की तरफ से बधाई देते हुए कहा कि कुलपति डॉ. काम्बोज के कुशल नेतृत्व में वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से विश्विद्यालय लगातार प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले चार वर्षों में विश्वविद्यालय उनके मार्गदर्शन में और अधिक ऊंचाइयां छुएगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शिक्षक संघ के प्रधान डॉ. अशोक गोदारा के अलावा पूर्व प्रधान डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. केडी शर्मा, डॉ. अनिल यादव, डॉ. करमल मलिक, डॉ. पीके चहल भी उपस्थित रहे और सभी ने कुलपति का स्वागत किया। कार्यक्रम में शिक्षक संघ हौटा के अन्य पदाधिकारी उप प्रधान डॉ. कृष्ण यादव, सचिव डॉ. सोमवीर निंबल, सह सचिव डॉ. दिनेश तोमर व कोषाध्यक्ष डॉ. कौटिल्य चौधरी उपस्थित रहे और उन्होंने प्रो. बीआर कम्बोज को सालासर दरबार से लाया स्मृति चिन्ह भेंटकर करके स्वागत किया। कैंपस व बाहरी केंद्रों के सभी वैज्ञानिक व शिक्षक इस आयोजन में शामिल हुए। इस अवसर पर सभी विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डीन, डायरेक्टर व विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

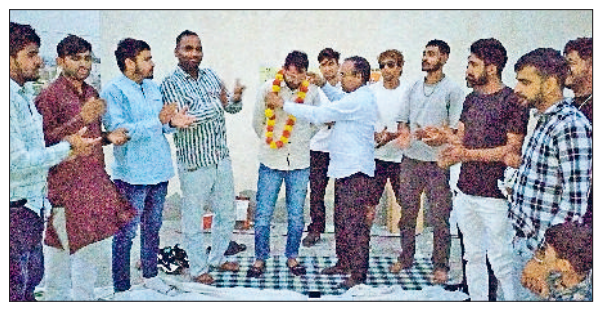

हिसार । गोपुत्र सेना की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

गोमाता की सेवा ही सच्चे धर्म का पालन : सोनी

- अमनदीप को गौपुत्र सेना अग्रोहा खंड अध्यक्ष नियुक्त किया

हरिभूम न्युज ▶▶| हिसार

गोपुत्र सेना अग्रोहा खंड कार्यकारिणी की बैठक कार्यालय ओम लाईब्रेरी में जिलाध्यक्ष महिपाल सोनी कि अध्यक्षता में हुई। बैठक में खंड के विभिन्न गांवों से गोसेवक शामिल हुए।

गोपुत्र सुनील क्रांतिकारी ने बताया कि बैठक में पुरानी कार्यकारिणी निरस्त करके पुनः नई कार्यकारिणी गठित की गई और साथ ही पिछले एक वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। जिलाध्यक्ष महिपाल सोनी ने गौ सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गोमाता की सेवा ही सच्चे धर्म का पालन है। उन्होंने पदाधिकारियों से गौ रक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया। बैठक में गौ रक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष प्रमोद स्वामी, जिला संगठन मंत्री मोहित किरोड़ी, जिला उपाध्यक्ष दीपक योगी व गौपुत्र सुनील क्रांतिकारी तथा मोहित, विष्णु, प्रिंस शर्मा, काला मौजूद रहे।

लक्षित ने जेईई मेन्स में ऑल इंडिया 464वां रैंक पाया

हरिभूम न्युज ▶▶| हिसार

हिसार । शानदार प्रदर्शन करने वाले आकाश संस्थान के विद्यार्थी।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने जेईई मेन्स 2025 (सेशन 2) में अपने छात्रों की शानदार उपलब्धियों की घोषणा की। संस्थान की अटूट शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाते हुए, हिसार के एक छात्र ने ऑल इंडिया टॉप 500 रैंकिंग में स्थान प्राप्त किया। लक्षित ने 464वां रैंक हासिल कर इस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। इस वर्ष हिसार शाखा के कुल 13 छात्रों ने उल्लेखनीय रैंक हासिल की।

इन परिणामों से साबित होता है कि मेहनत और सही मार्गदर्शन से शानदार सफलता हासिल की जा सकती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने आज परिणाम घोषित किए, जिससे इस साल के दूसरे और अंतिम जेईई सत्र का समापन हुआ। जेईई मेन्स भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक है। कई छात्र आकाश के क्लासरूम प्रोग्राम से तैयारी करते हैं ताकि वे आईआईटी जेईई जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर सकें।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सुरेंद्र चौहान ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि हम अपने छात्रों की मेहनत और सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं। सही कोचिंग और संकल्प ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। सभी सफल छात्रों को बधाई, और हम उनके आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

जेईई मेन्स दो सत्रों में आयोजित की जाती है ताकि छात्रों को अपने स्कोर सुधारने के अधिक मौके मिल सकें। जेईई एडवांस उन छात्रों के लिए प्रवेश का द्वार खोलता है जो प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में जाना चाहते हैं, जबकि जेईई मेन्स के जरिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और अन्य सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश का रास्ता बनता है।

कक्षा 1 से 12 तक के सभी बच्चों को दी जाएगी सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग

स्कूल प्रशासन ने सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग के पीरियड को किया अनिवार्य

हरिभूम न्युज ▶▶| हिसार

डीएन कॉलेज रोड स्थित केएल आर्य डीएवी पब्लिक स्कूल में कक्षा 1 से 12 तक के बच्चों के लिए सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग को अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए बाकायदा स्कूल प्रशासन की ओर से सेल्फ डिफेंस का एक पीरियड भी सभी कक्षाओं में शुरू किया गया है।

स्कूल प्रिंसिपल डा.चन्द्रप्रकाश कंबोज ने बताया कि आज के दौर में बच्चों को विशेषकर लड़कियों को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दिया जाना बेहद आवश्यक है।

इसके साथ ही इस पीरियड के दौरान बच्चों को न्यूट्रिशियन फूड व सेहतमंद डाइट के बारे में बताया जाएगा। बच्चों को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट सेल्फ डिफेंस कोच रोहतास कुमार देंगे जो बच्चों को सेल्फ डिफेंस व फिजिकल फिटनेस का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

हिसार। सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग लेती के.एल. आर्य डीएवी स्कूल की छात्राएं।

भाकपा की 11 सदस्यीय जिला कमेटी का सर्वसम्मति से किया गठन

हिसार। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) जिला कमेटी हिसार का त्रिवार्षिक सम्मेलन कुम्हार धर्मशाला में कामरेड नंदलाल तंवर की अध्यक्षता में हुआ। सम्मेलन में जिला सचिव कामरेड रूप सिंह ने गत तीन वर्ष में किए गए विभिन्न आंदोलनों व सामाजिक कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत कीसम्मेलन में विनोद कुमार दड़ौली ने पार्टी में आने वाले युवा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया।वरिष्ठ कर्मचारी नेता एमएल सहगल ने पार्टी की स्थापना के 100 वें वर्ष का प्रमुखता से उल्लेख करते हुए भाकपा नेतृत्व में संयुक्त देश के स्वतंत्रता आंदोलन में निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डाला। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता पार्टी के राज्य सचिव का. दरियाव सिंह कश्यप ने कहा कि भाकपा वर्तमान में भी मजदूरों, किसानों, महिलाओं व युवाओं से जुड़े मामलों पर अग्रणी पंक्ति पर रहते हुए आंदोलनों में अपनी भूमिका का निर्वहन करती है। सम्मेलन में सर्वसम्मति से आगामी तीन वर्षों के लिए 11 सदस्यीय जिला कमेटी का गठन किया गया। इसमें का. रूप सिंह, नंदलाल तंवर, नरेश गोयल, रणजीत सिंह राजथल, एमएल सहगल, विनोद कुमार दड़ौली, हनुमान सिंह आदमपुर, सूरजमल नम्बरदार, सुनील मैडल, बलजीत सिंह पनिहार व रामश्वेर दास हरिकोट को शामिल किया गया। सम्मेलन में नवगठित जिला कमेटी की बैठक पांच मई को निश्चित की गई, जिसमें जिला सचिव का चुनाव किया जाएगा तथा पार्टी के 7 से 9 जून तक यमुनानगर में होने वाले राज्य सम्मेलन में भागीदारी के लिए जिला के पांच प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाएगा।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मनाया मौखिक स्वास्थ्य दिवस

हरिभूम न्युज ▶▶| नारनौंद

नारनौंद। स्कूली छात्रों को दातों की देखभाल की जानकारी देते दंत विशेषज्ञ डॉ. दिनेश गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वर्ल्ड ओरल हेल्थ मंथ के अंतर्गत मौखिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से नारनौंद के सामान्य अस्पताल के दंत चिकित्सक डॉ. दिनेश गुप्ता ने नारनौंद के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पहुंचकर वर्ल्ड ओरल हेल्थ मंथ के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इसमें काफी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से उचित इनाम भी दिया गया।

डॉ. दिनेश गुप्ता ने बताया कि राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को दातों की साफ सफाई के बारे में बताया गया और विद्यार्थियों को टूथ ब्रश करने का सही तरीका भी समझाया गया।

तिरुपति धाम में भगवान वेंकटेश के अभिषेक में श्रद्धालुओं की दिखी आस्था

हरिभूम न्युज ▶▶| हिसार

हिसार । तिरुपति धाम में भगवान वेंकटेश जी के अभिषेक का दृश्य।

अध्यात्म व सांस्कृतिक सामंजस्य के पोषक श्री तिरुपति बालाजी धाम में पूरे विधि-विधान से भगवान वेंकटेश जी का अभिषेक किया गया। प्रातः पूजा-अर्चना के उपरांत विभिन्न सात्विक द्रव्यों से सुसज्जित दस कलशों से भगवान जी के अभिषेक का निर्वहन किया गया। उनके साथ माता श्रीदेवी व माता भूदेवी भी विराजमान रहे। सायंकाल धूमधाम से सवारी शोभा यात्रा निकाली गई। पूरे विधि विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ भगवान वेंकटेश जी के साथ माता श्रीदेवी व माता भूदेवी को रथ पर स्थापित पालकी में विराजमान किया गया। सवारी व शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालु जय श्रीमन्ननारायण, जय गोविंदा व जय भगवान वेंकटेश के जयघोष करते रहे।

इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑफ मैथमेटिक्स में शानदार प्रदर्शन

हरिभूम न्युज ▶▶| नारनौंद

सृष्टि इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्कूल मोठ के 86 विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑफ मैथमेटिक्स में भाग लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में छात्रों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। विद्यालय में आयोजित एक सम्मान समारोह में प्रतिभागी छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य घनश्याम वर्मा ने अपने प्रेरणादायक भाषण में छात्रों को बधाई दी।

नारनौंद। सृष्टि स्कूल की प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित करते हुए स्कूल के निदेशक अनूप लोहान व अन्य। फोटो : हरिभूमि

तपस्या की जीत

विद्यालय के निदेशक अनुप लोहान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल अंक या प्रमाणपत्र नहीं है। यह तपस्या की जीत है। हर छात्र को अपना लक्ष्य निर्धारित करके आगे पढ़ना चाहिए तभी वह अपनी मंजिल प्राप्त कर सकेगा। इस अवसर पर हरियाणा आइस स्केटिंग के अध्यक्ष बिजेन्द्र लोहान, निदेशक अनूप लोहान, सोनिया लोहान, प्रधानाचार्य घनश्याम वर्मा, हरिपाल बिसला, सुभाष लोहन, प्रदीप जागलान, संदीप, सोनम, सीता, सीमा आदि उपस्थित रहे।

भारतीय शिक्षण मंडल के 56वें स्थापना दिवस पर हुआ कार्यक्रम

हरिभूम न्युज ▶▶| हिसार

हिसार । कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. जितेंद्र भारद्वाज।

भारतीय शिक्षण मंडल के 56वें स्थापना दिवस पर शिक्षण मंडल की हिसार इकाई की ओर से भारतीय परंपरा में शिक्षक की भूमिका विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय शिक्षण मंडल के हरियाणा प्रभारी डॉ. जितेंद्र भारद्वाज मुख्य वक्ता व प्रांत संपर्क सह-प्रमुख डॉ. नरेश कन्नोजिया उपस्थित रहे।

डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि हकृवि शिक्षा का तीर्थ है। यहां के शिक्षकों एवं शोधार्थियों द्वारा किए जाने वाले शोध कार्यों से समूचा राष्ट्र लाभान्वित होता है।

शिक्षा समाज के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करती है। शिक्षा नीति इस प्रकार की होनी चाहिए जिसमें सबका कल्याण हो, पाठ्यक्रम रुचिकर होने के साथ-साथ विद्यार्थियों का मोटिवेशन कर सकें। शिक्षकों के पढने के तरीके सरल और सुगम होने चाहिए। उन्होंने बताया कि शिक्षण मंडल द्वारा शिक्षक से गुरु, गुरु से ऋषि की ओर हम आगे कैसे बढ़े इसके लिए प्रयासरत है। किसी भी क्षेत्र की प्रगति शिक्षा पर निर्भर करती है। भारतीय शिक्षा पद्धति नैतिक मूल्यों पर आधारित है। शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने में शिक्षक की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि प्राचीन ग्रंथों के अनुसार भारत विश्व गुरु रहा है।

साइबर अपराधों से बचाव को लेकर एडीआर सेंटर में कार्यशाला आयोजित

साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्कता ही बचाव का सबसे बड़ा उपाय : सीजेएम

हरिभूम न्युज ▶▶| हिसार

हिसार । साइबर सुरक्षा को लेकर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित अधिवक्ता। फोटो : हरिभूमि

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के दिशा-निर्देश और सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) अशोक कुमार के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार को एडीआर सेंटर के सभागार में साइबर अपराधों की रोकथाम और जन-जागरूकता के उद्देश्य को लेकर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम अशोक कुमार ने की।

सीजेएम अशोक कुमार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम डिजिटल युग में नागरिकों, विशेषकर युवाओं को सुरक्षित रहने की दिशा में एक सशक्त कदम हैं। साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्कता ही बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित यह कार्यशाला साइबर अपराधों से बचाव हेतु जन-जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी।

जिज्ञासाएं और अनुभव साझा किए

कार्यक्रम में साइबर पुलिस के हैड कांस्टेबल नरेश कुमार ने साइबर अपराध पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को सोशल मीडिया के दुरुपयोग, डिजिटल फ्रॉड, बैंकिंग धोखाधड़ी तथा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 जैसे अहम संसाधनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा से जुड़ी अनेक जिज्ञासाएं और अनुभव साझा किए। चर्चा के दौरान दिए गए सुझाव में बताया गया कि शैक्षणिक संस्थानों में साइबर हेल्प डेस्क की स्थापना की जानी चाहिए। इस अवसर पर पैनल एडवोकेट्स, पैरा लीगल वालंटियर्स तथा लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य उपस्थित रहे।

हांसी। जेईई मेन सेशन- 2 में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के छात्रों ने जेईई मेन सेशन-2 में 8 विद्यार्थियों ने लहराया परचम

हांसी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन हांसी के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और परिश्रम का परिचय देते हुए जेईई मेन सेशन-2 में शानदार प्रदर्शन किया। संस्थान के कई छात्रों ने उच्च अंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार और शिक्षकों का बल्कि पूरे यदुवंशी ग्रुप का नाम रोशन किया। स्कूल प्राचार्य सुनील कुमार ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थियों विनीत ने 99.03, एंजेल ने 97.54, तृप्ति ने 95.99, विवेक ने 93.37, नेहा ने 93.18, रिया ने 90.41, कुसुम ने 89, समीक्षा 81.13 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने अभिभावकों, क्षेत्र व विद्यालय का नाम रोशन किया। यदुवंशी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन राव बहादुर सिंह व प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने छात्रों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता कठिन परिश्रम, छात्रों की अटूट लगन, अध्यापकों के उचित मार्गदर्शन, यदुवंशी शिक्षा संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे जेईई एडवांस्ड जैसी आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

पुलिस ने केस दर्ज करके छानबीन आरंभ की

बरवाला। बच्चों की मॉडलिंग और एक्स्ट्रा इनकम का झांसा देकर साइबर अपराधियों द्वारा महिला से 41 हजार 850 रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित नवीन गर्ग ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित नवीन गर्ग ने बताया कि वह सैनेटरी सामान का गोदाम चलाता हैं। कुछ दिन पहले एक अप्रैल को उसकी पत्नी मोहिनी गर्ग फेसबुक चला रही थी।

ग्राम पंचायत जेवरा
खंड बरवाला (हिसार)
नीलामी सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गांव जेवरा में पशु अस्पताल व विकास केंद्र भवन की नीलामी दिनांक 22-04-2025 को दोपहर 12 बजे राजकीय उच्च विद्यालय जेवरा में होगी। बोली दाता को पचास हजार रूपए सिक्योरिटी जमा करवानी होगी। अन्य शर्तें मौके पर सुनाई जाएगी।
सरपंच श्रीमती एकता ग्राम पंचायत, जेवरा (हिसार) मो 94677 04691

खबर संक्षेप

8.48 ग्राम हेरोइन सहित महिला काबू

हिसार। पड़ाव चौकी पुलिस ने विकास नगर से एक महिला को गिरफ्तार करके उससे 8.48 ग्राम हेरोइन बरामद की है। एएसआई शमशेर सिंह ने बताया कि पुलिस ने सूचना के आधार विकास नगर से एक महिला को पकड़ा। महिला ने अपना नाम अंबेडकर बस्ती निवासी सुशीला बताया। महिला पुलिस कर्मचारी द्वारा तलाशी लेने पर उक्त सुशीला के कब्जे से एक पॉलिथीन की थैली से 8.48 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति की भारत यात्रा के खिलाफ प्रदर्शन कल

हिसार। अखिल भारतीय किसान सभा राष्ट्रीय आह्वान के तहत प्रदेश भर में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की आगामी भारत यात्रा के खिलाफ 21 अप्रैल को प्रदर्शन करेगी और जिला हिसार में भी हिसार, आदमपुर तथा बरवाला में पुतले जलाए जाएंगे। यह फैसला किसान सभा जिला कमेटी मीटिंग में किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शमशेर नंबरदार ने की। मीटिंग के बाद जिला सचिव सतबीर धायल ने कहा कि प्रदर्शन के द्वारा किसान सभा भारत सरकार से अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता और सभी असमान मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से पीछे हटने को लेकर दबाव बनाएगी।

मेयर ने सेक्टर 16-17 की सड़कों का शुभारंभ किया

विश्वासपुरम कॉलोनी में बनने वाली सड़कें अब होंगी आईपीबी

विश्वासपुरम के क्षेत्रवासियों ने मेयर के समक्ष अपनी मांगे भी रखी। मेयर प्रवीण पोपली ने यहां आईपीबी रोड का शुभारंभ किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। सड़क का शुभारंभ करते मेयर प्रवीण पोपली। फोटो : हरिभूमि

मेयर प्रवीण पोपली ने विश्वासपुरम कॉलोनी व सेक्टर 16-17 की सड़कों का शुभारंभ किया। इसमें विश्वासपुरम कॉलोनी में बनने वाली आईपीबी रोड बनेंगी और सेक्टर 16-17 में श्री रानी दादी सती मंदिर के पास बनने वाली कंक्रीट की रोड बनेंगी।

इससे पहले मेयर प्रवीण पोपली शनिवार सुबह सेक्टर 16-17 स्थित श्री दादी रानी सती मंदिर के पास पहुंचे। वहां उन्होंने कंक्रीट की रोड का शुभारंभ किया। उनके साथ वार्ड 14 की पार्षद डॉ. सुमन यादव, समाजसेवी जगदीश जिंदल व क्षेत्रवासी मौजूद रहे। दूसरे कार्यक्रम के दौरान मेयर प्रवीण पोपली विश्वासपुरम स्थित विश्वास मेडिटेशन सेंटर पहुंचे वहां पर मौजूद क्षेत्रवासियों ने उनका बुके व फूल मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान विश्वासपुरम के क्षेत्रवासियों ने मेयर के समक्ष अपनी मांगे भी रखी। मेयर प्रवीण पोपली ने यहां आईपीबी रोड का शुभारंभ किया।

मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि शहर के सभी वार्डों के विकास कार्यों को गति दी जाएगी। सभी वार्डों में समान कार्य किए जाएंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जगदीश जिंदल, पार्षद संजय डालमिया, पार्षद डॉ. सुमन यादव, पार्षद राजेश अरोड़ा, कार्यकारी अभियंता संदीप सिहाग, एमई संदीप बेनीवाल, संदीप बेनीवाल, प्रवीन चौहान, संदीप काजल, सम्मी शर्मा, ललित शर्मा, प्रवीन जैन, परितेश अग्रवाल, कुलदीप, धमेन्द्र, मुकेश, विजय, कर्नल सुशील, भूपेन्द्र भांभू, जयबीर पंघाल, ललित आर्य, सुशील कुमार, ओमप्रकाश, दीनदयाल मेहता, होशियार सिंह फौजी, अशोक मलिक, सचिव संजय सेहरा, विजेन्द्र शर्मा सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

महेश जोशी की नियुक्ति से रेडक्रॉस सोसाइटी और आगे बढ़ेगी: भारद्वाज

- जोशी की नियुक्ति पर एचएसएससी के पूर्व सदस्य डॉक्टर भारद्वाज ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

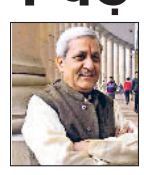

महेश जोशी।

महर्षि दधीचि परमार्थ आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. हर्षमोहन भारद्वाज ने महेश जोशी को हरियाणा रेडक्रॉस सोसाइटी का महासचिव नियुक्त करने पर खुशी जाहिर की है। डॉ भारद्वाज ने कहा कि महेश जोशी की नियुक्ति से रेड क्रॉस सोसाइटी उपलब्धियां की तरफ और ज्यादा आगे बढ़ेगी। डॉ. भारद्वाज ने कहा कि महेश जोशी के नेतृत्व में रेडक्रॉस सोसायटी की सेवाओं का भी आम जनता तक ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचेगा। एचएसएससी के पूर्व सदस्य ने कहा कि महेश जोशी ईमानदार, मिलनसार व लग्नशील व्यक्तित्व के धनी है। ऐसे में उनकी नियुक्ति रेड क्रॉस सोसाइटी को एक नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तियों के आगे आने से तरक्की के मार्ग और ज्यादा प्रशस्त होते हैं। महेश जोशी की रेड क्रॉस सोसाइटी में नियुक्ति पर डॉ भारद्वाज ने उन्हें बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि सोसाइटी अब और ज्यादा आगे बढ़ेगी। डॉ हर्षमोहन भारद्वाज ने कहा कि इससे पहले महेश जोशी कला परिषद के डायरेक्टर का पद संभाल चुके हैं।

अग्नि सेवा सप्ताह में किया जागरूक

- अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं के ओर से आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। जिंदल अस्पताल में मॉक ड्रिल के दौरान शनिवार को आग बुझाने का अभ्यास करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं के ओर से अग्नि सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। गत 14 अप्रैल से शुरू हुए अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान लोगों को अग्नि सुरक्षा उपायों के संबंध में अवगत करवाया गया। अग्नि सेवा सप्ताह का रविवार को अंतिम दिन है। स्थानीय दमकल केंद्र अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि आग आपदा सुरक्षा सप्ताह के तहत जिंदल अस्पताल में कार्यशाला का आयोजन कर अस्पताल के स्टाफ एवं लोगों को विभिन्न आग, भूकंप आदि आपदा से निपटने के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर अग्निशामक यंत्रो के बारे में जानकारी दी गई और अग्निशामक यंत्र को संचालित करने के तरीके के साथ स्वयं को सुरक्षित रखते हुए आग पर काबू पाने की तकनीक समझाई गई। इसके साथ परिसर में मॉक ड्रिल कर आग से बचने व इससे निपटने के तौर तरीके भी बताए गए। प्रशिक्षण के दौरान सभी को बताया गया कि आग की घटना होने पर तुरंत फायर सेफ्टी के नियमों के अनुसार ही अग्निशामक यंत्र का उपयोग पूरी सावधानी के साथ करें।

उकलाना। पत्रकारों से बातचीत करते वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीनिवास गोयल।

स्वागत द्वार में हुए भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों पर होगी कार्रवाई : गोयल

उकलाना। महाराजा अग्रसेन स्वागत द्वार के निर्माण में बड़ी लापरवाही के मामले में हरियाणा ट्रेड्स वेलफेयर बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीनिवास गोयल ने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार कतई सहन नहीं करती और शुरू से आज तक जो भी भ्रष्टाचार हुए उनकी जानकारी मुख्यमंत्री तक पहुंचती है। गोयल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अग्रसेन स्वागत द्वार में भ्रष्टाचार के मामले की यह जानकारी मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाएगी और उस पर कार्रवाई भी करवाई जाएगी। इसमें चाहे नगर पालिका सचिव, अध्यक्ष या कोई भी अधिकारी, ठेकेदार शामिल हुआ तो उस पर कार्रवाई होगी। ठेकेदार ब्लैक लिस्ट हो उसके लिए कहा जाएगा और जो भी नगर पालिका में काम हुए हैं उनकी भी जांच करवाई जाएगी।

खनन में दीवारें, मिट्टी के बर्तन मिले: डॉ. भट्टाचार्य

- दयानंद कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया अग्रोहा के टीले का शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। अग्रोहा टीले का भ्रमण करते जानकारी लेते दयानंद कॉलेज के विद्यार्थी।

दयानंद कॉलेज के इतिहास विभाग के छात्रों ने अग्रोहा के ऐतिहासिक टीले का शैक्षणिक भ्रमण किया। विभाग की ओर से करवाए गए इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को इतिहास के अध्ययन के संदर्भ में प्रयोगिक जानकारी देना रहा। इतिहास कल्पना पर आधारित नहीं होता बल्कि साक्ष्यों के माध्यम से इसका निर्माण होता है। उदाहरणत ये साक्ष्य किसी टीले की खुदाई से कैसे निकालते व बनते हैं। इसकी प्रक्रिया को विद्यार्थियों ने समझा। अग्रोहा के इस टीले पर भारतीय पुरातत्व विभाग दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान एवं हरियाणा पुरातत्व व संग्रहालय विभाग द्वारा उत्खनन का कार्य चल रहा है। पुरातत्व विद्वान डॉ. केए कबुई, डॉ. अरचित प्रधान ने विद्यार्थियों को टीले के ऐतिहासिक महत्व तथा खनन की प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां खनन अब चौथी बार हो रहा है। पुरातत्व विभाग हरियाणा की उपनिदेशक डॉ. बनानी भट्टाचार्य ने बताया कि खनन के लिए वैज्ञानिक विधि अपनाकर आगे बढ़ा जा सकता है यहां से खनन में दीवारें, मिट्टी के बर्तन, खिलौने, ईंटें वह दैनिक प्रयोग की वस्तुएं मिली हैं। यह गुर्जर-प्रतिकार काल, राजपूत काल में मौर्य काल की जानकारी दे रही हैं। पुरातत्व विद्वान डॉ. उदित कुमार ने यहां से प्राप्त चीजों की विशेषताओं व पहचान से विद्यार्थियों को परिचित करवाया। खनन क्षेत्र के पास ही यहां से निकली सामग्री को विशेषज्ञों की टीम ने सुनियोजित ढंग से रखा हुआ था। खनन क्षेत्र में विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए डॉ. महेंद्र सिंह, अध्यक्ष इतिहास विभाग ने अग्रोहा में पहले हुए खनन तथा यहां स्थापित बौद्ध स्तूप के बारे में जानकारी दी।

बरवाला। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा।

डॉ भीमराव अंबेडकर एक महान चिंतक थे : गंगवा

बरवाला। डॉ. भीमराव अम्बेडकर ट्रस्ट द्वारा अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बाबा साहेब के विचारों, संघर्षों और उनके सामाजिक न्याय एवं समता के संकल्प को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के शिल्पी थे, बल्कि समाज में समानता, न्याय और अधिकारों की स्थापना के लिए संघर्षरत एक महान चिंतक थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने पुस्तकालय निर्माण के लिए 11 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की ताकि युवाओं को अध्ययन और ज्ञान प्राप्ति के बेहतर अवसर मिल सकें। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, भाषण प्रतियोगिताओं और सामाजिक जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन दर्शन, सामाजिक समरसता और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। समारोह की अध्यक्षता नगर पालिका चेयरमैन रमेश बैटरी वाला ने की। इस अवसर पर सतबीर सिंह वर्मा, रामकेश बंसल, रणधीर सिंह धीरू, रोहतास ग्रोवर, राकेश राजली सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

होली चाइल्ड के छात्रों ने क्रांतिमान पार्क का शैक्षणिक भ्रमण किया

- केवल किताबी ज्ञान नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना भी जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार : क्रांतिमान पार्क के ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानते होली चाइल्ड स्कूल के विद्यार्थी

वर्ल्ड हैरिटेज डे के उपलक्ष्य में होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने एक शैक्षणिक भ्रमण के तहत क्रांतिमान पार्क का दौरा किया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर से परिचित कराना था। इस दौरान कक्षा चौथी और पांचवी के विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के बारे में जाना। विद्यार्थियों में इस दौरान ऐतिहासिक तथ्यों को लेकर विशेष उत्साह और जिज्ञासा देखने को मिली।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक आरएस सिंधु ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होते हैं। जब छात्र कक्षा की सीमाओं से बाहर निकलकर ऐतिहासिक स्थलों का प्रत्यक्ष अनुभव लेते हैं, तो उनकी सोच और समझ में गहराई आती है।

प्रधानाचार्या अनीता पन्नू दलाल ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को भारत की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना भी है।

एसडी मार्डन पब्लिक स्कूल में बच्चों ने सॉफ्ट बोर्ड प्रतियोगिता में दिखाया उत्साह

- तीसरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी। सॉफ्ट बोर्ड प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों के साथ स्कूल प्राचार्या ऋतू सिंह व अन्य अध्यापक।

एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल के परिसर में शनिवार को सॉफ्ट बोर्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में तीसरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने समय समायोजन, पर्यावरण संरक्षण, भारत दर्शन, सकारात्मक सोच, जल बचाओ, जीवन बचाओ, पृथ्वी संरक्षण, वाणिज्य, भारत के प्रसिद्ध व्यक्तियों, व्यक्तित्व निर्माण, नैतिकता, अकृत्रिम बौद्धिकता, जीवन मूल्यों, किताबें - हमारी सबसे बड़ी मित्र, लक्ष्य निर्धारण जैसे विषयों से बोर्ड सजाए गए। प्राचार्या ऋतु सिंह ने बताया कि इस क्रिया कलाप का उद्देश्य कक्षा इंचार्ज की सहायता से विद्यार्थियों के अंदर सृजनशीलता, कलात्मक सोच, जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, प्राकृतिक सौन्दर्य की भावना को विकसित करना है। पढ़ाई के साथ इस तरह की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियो के अंदर बहुमुखी प्रतिभा का विकास होता है। सॉफ्ट बोर्ड कार्य उपप्राचार्य महेंद्र सिंह, मिडल विंग इचार्ज पवन बसल, प्राइमरी विंग इंचार्ज शिवानी व सीसीई इंचार्ज विपुला सीधर के निर्देशन में किया।

गुरु गोरखनाथ अकेले ऐसे संत जिन्हें हर संप्रदाय में सर्वोच्च स्थान

- गुरु गोरखनाथ के जीवन दर्शन पर राजकीय महाविद्यालय में व्याख्यान आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। प्रांत धर्माचार्य प्रमुख डॉ. योगी अनूप नाथ को स्मृति चिन्ह स्वरूप पौधा भेंट करते प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी।

शिक्षाविद्ध एवं शाश्वत हिन्दू में राष्ट्रीय सम्पर्क प्रमुख, प्रांत धर्माचार्य प्रमुख डॉ. योगी अनूप नाथ ने कहा कि नाथ संप्रदाय को एक माला में पिरोने और भारत की सनातन परंपरा योग की अलख घर-घर जलाने का काम गुरु गोरखनाथ ने किया। इतिहास में इससे पूर्व यह काम कोई नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि गुरु गोरखनाथ एक ऐसे संत हुए है जिन्हें हर मत, संप्रदाय और धर्म में पूजा जाता है। ऐसे संत के नाम पर हिसार के राजकीय महाविद्यालय का नाम रखना सर्व समाज के लिए गर्व का विषय है। डॉ. योगी अनूप नाथ शनिवार को गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में गुरु गोरखनाथ एक महान योगी, संत और नाथ सम्प्रदाय के संस्थापक के जीवन दर्शन पर आयोजित व्याख्यान को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। हिंदी विभाग की ओर से आयोजित इस व्याख्यान की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी ने की। मुख्य वक्ता ने कहा कि गुरु गोरखनाथ जिन्हें गोरक्षनाथ के नाम से भी जाना जाता है, एक हिंदू योगी, महासिद्ध और संत थे जो भारत में नाथ संप्रदाय के संस्थापक थे।

सरकार की लापरवाही से मंडियों में खराब हो रही किसानों की गेहूं व सरसों : गर्ग

- अब तक आई 45 लाख 50 हजार मीट्रिक टन गेहूं में से उठान सिर्फ 14 लाख 75 हजार मीट्रिक टन का हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। पत्रकार वार्ता करते व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कॉम्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने आरोप लगाया है कि सरकार की लापरवाही के कारण किसान की गेहूं व सरसों मंडियों में खराब हो रही है। सरकार द्वारा गेहूं की खरीद व उठान धीमी गती के कारण मंडियां गेंहू से भरी हुई है। मुख्यमंत्री का गेहूं की खरीद, उठान व भुगतान 48 घंटे में करने के सभी दावे पूरी तरह से फेल है। अनाज मंडियों में अब तक लगभग 45 लाख 50 हजार मीट्रिक टन गेहूं आ चुकी है जिसमें गेहूं उठान सिर्फ 14 लाख 75 हजार मीट्रिक टन हुआ है। बजरंग दास गर्ग अनाज मंडी में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंडियों से गेहूं का उठान समय पर न होने के कारण किसान व आढ़तियों को बड़ी भारी दिक्कत आ रही है। सरकारी गेहूं खरीद की 20 प्रतिशत गेहूं भंडारण की भी व्यवस्था सरकार के पास नहीं है जिससे गेहूं मंडी में पड़ी रहती है और हर साल हजारों क्विंटल गेंहू खराब हो रही है।

हाल ही में नागरिक को बचाने के प्रयास में शहीद हुए थे सचिन

शहीद सचिन रोहिल की याद में पार्क बनवाएगी पंचायत

- स्कूल का नामकरण सचिन के नाम पर करने का प्रस्ताव तैयार किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। पार्क के लिए खाली तैयार करवाई जा रही जमीन।

निकटवर्ती गांव भिवानी रोहिल्ला निवासी एवं हाल ही में एक नागरिक की जान बचाते हुए शहीद हुए जवान सचिव रोहिल की यादव में ग्राम पंचायत ने पार्क का नाम उनके नाम पर करने का निर्णय लिया है। इसके तहत ग्राम पंचायत ने गांव के आरोही स्कूल और सीनियर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण शहीद सचिन के नाम पर करने का प्रस्ताव तैयार किया है।

सरपंच बलजीत सिंह ने बताया कि बारह खाप के चबूतरे के सामने शहीद का स्मारक बनाया जाएगा। इसके अलावा भिवानी रोहिल्ला से सीसवाला रोड पर एक पार्क का निर्माण भी किया जाएगा। इस पार्क का नाम भी शहीद सचिन के नाम पर रखा जाएगा। इसके लिए जमीन को पहले ही खाली करा लिया गया है।

जवान सचिन रोहिल असम के सोनितपुर जिले के भालुकपोंग में भराली नदी में एक नागरिक को डूबने से बचाने के प्रयास में शहीद हो गए थे।

तीन दिन पूर्व गुरुवार को उनकी शहीद सम्मान यात्रा निकाली गई और प्रशासनिक सलामी के साथ अंतिम संस्कार किया गया। ग्राम पंचायत सरपंच बलजीत सिंह ने कहा कि ग्रामीणों की भावनाओं और शहीद के सम्मान के लिए पंचायत अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करेगी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 20 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

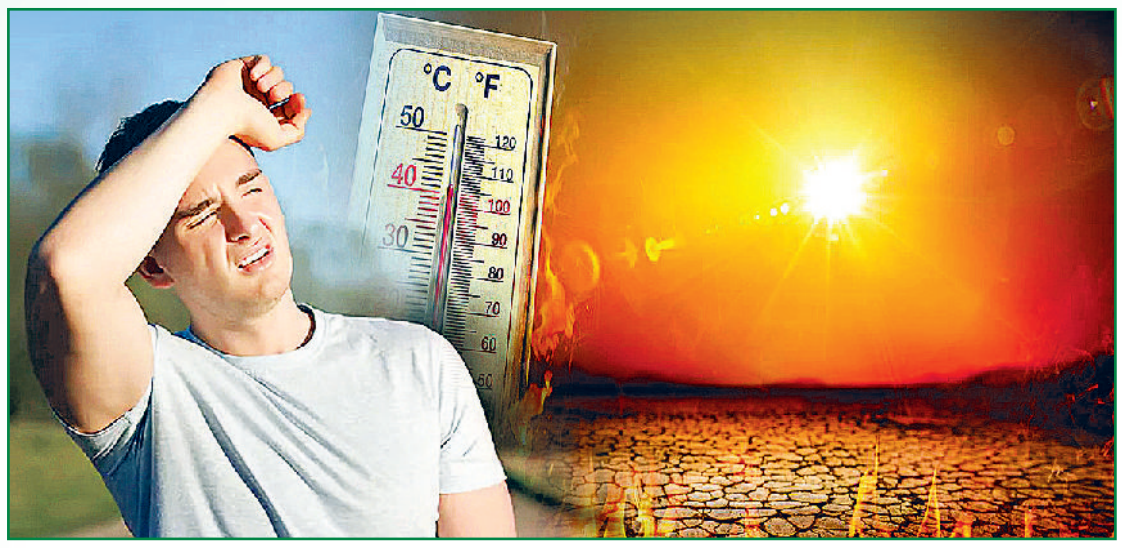

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

विशेष: पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं: पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाई: पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षण: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदी: पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शन: इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

'का का, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

परंपरा / शिखर चंद जैन

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

दुनिया भर के अनेक लोग पुस्तकें पढ़ने का शौक रखते हैं। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न देशों में कुछ अनोखी और आकर्षक साहित्यिक परंपराएं निभाई जाती हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी परंपराओं के बारे में।

दुनिया भर में मशहूर पुस्तक प्रेम की अनोखी परंपराएं

क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला रूस

अपनी अनोखी पुस्तक-संबंधी प्रदर्शनियों और प्रतिष्ठानों के लिए प्रसिद्ध रूस का यह मेला साइबेरिया की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अन्वेषण को प्रोत्साहित करता है। साइबेरिया के आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच स्थित, रूस का क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला, साहित्यिक समारोहों की दुनिया में बहुत महत्व रखता है। यह मेला, न केवल लिखित शब्दों का उत्सव मनाता है, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संजोता है। रूसी साहित्य, स्वदेशी कहानी और अंतरराष्ट्रीय प्रभावों के अनूठे मिश्रण के साथ यह मेला पुस्तक प्रेमियों और संस्कृतिकर्मियों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। विविध पुस्तक स्टालों से भरे व्यस्त बाजारों से लेकर साहित्यिक परिदृश्य पर गहन विचार-विमर्श तक, आगंतुकों को शब्दों की दुनिया में एक गहन यात्रा का आनंद मिलता है। *

जोला बोका फ्लड आइसलैंड

आइसलैंड के अधिकांश लोग नियमित रूप से किताबें पढ़ते हैं। वे किताबें लिखने में भी आगे रहते हैं। जोला बोका फ्लड के नाम से मशहूर 'क्रिसमस बुक फ्लड' समारोह साल के अंत में एक हफ्ते तक आयोजित होता है, जिसमें आइसलैंड के नागरिक एक-दूसरे को किताबें उपहार में देते हैं। अकसर क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, इन पुस्तकों का आदान-प्रदान किया जाता है और फिर तुरंत पढ़ा जाता है। जोला बोका फ्लड, वाक्यांश खरीदी गई नई पुस्तकों की 'बाढ़' को भी संदर्भित करता है। आइसलैंडवासी कहते हैं, 'एड गंगा मेड बोक आई मैगनम', जिसका भावार्थ होता है 'हर किसी के अंदर एक किताब होती है।' *

पढ़ने के साथ आनंद के पल स्वीडन

स्वीडिश लोग आराम के समय किताबें पढ़ना सबसे अधिक पसंद करते हैं। खासतौर पर सर्दियों की लंबी, अंधेरी रातों में स्वीडिश लोग गर्म पेय के साथ कंबल के नीचे दुबके हुए अपनी पसंदीदा किताब पढ़ना खूब पसंद करते हैं। स्वीडन में स्थित अधिकतर पुस्तकालय, अकसर रीडिंग नाइट्स की मेजबानी करते हैं, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और साहित्य के प्रति साझा प्रेम को बढ़ावा मिलता है। *

पाठकों की पुस्तक परियां इटली

इटली निवासी अपनी पढ़ी हुई किसी किताब को अपने पास डंप नहीं करते हैं। जब वे अपनी खरीदी हुई पुस्तक पढ़कर समाप्त करते हैं तो पुस्तक को वापस शेल्फ पर रखने के बजाय, वे इसे विशेष स्टिकर और हरा रिबन लगाकर किसी और के लिए सार्वजनिक स्थल पर छोड़ देते हैं। इन किताबों को ट्रेन स्टेशनों, कॉफी की दुकानों, पार्क की बेंचों और अन्य जगहों पर छोड़ दिया जाता है ताकि कोई दूसरा पाठक इन्हें पाकर पढ़ सके। इन्हें पुस्तक परियां कहते हैं। कुछ लोग अपनी किताबों को पार्क की बेंचों के नीचे, स्टोर के साइन बोर्ड के पीछे या बस स्टेशनों में छिपाकर रखना पसंद करते हैं। ताकि उस किताब का दीवाना कोई पाठक उसे पाकर पढ़ सके। पढ़ने के बाद वह फिर से रिबन को लपेटकर अन्य पाठक के लिए दूसरी जगह रख सकता है या पुस्तक को अपने निजी पुस्तकालय के लिए सहेज सकता है। *

स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस चीन

चीनी प्राथमिक विद्यालयों में बेहतर साहित्यिक निर्देश और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए 2007 में स्थापित, स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस का मिशन है 'पढ़ने को वैसा बनाना है जैसा कि होना चाहिए- खुशहाल, मुफ्त और स्वैच्छिक।' छात्र अपनी पसंद की विशिष्ट सामग्री चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। किताबों की गाड़ियां कक्षाओं

से पुस्तकालयों तक लाई जाती हैं और शिक्षक अकसर अपने छात्रों को रोचक पुस्तकें खुद पढ़कर सुनाते हैं। इच्छुक छात्र उन किताबों से प्रेरित होकर नाटक या नाटकीय व्याख्याएं लिखते हैं और उन पर अभिनय भी करते हैं, जो उन्होंने पढ़ी होती है। *

नैनोविमो, संयुक्त राज्य अमेरिका

नैनोविमो आयोजन के तहत लोगों को 30 दिनों में 50,000 शब्दों का उपन्यास लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 1999 में एक पर्सनल डेवलपमेंट चैलेंज के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम इंटरनेट पर एक पॉपुलर इवेंट बन गया है। आधिकारिक तौर पर नैनोविमो, एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो पूरे देश और दुनिया के लेखकों को मजेदार कार्यशालाओं, युक्तियों और ऑनलाइन फोरम के माध्यम से जोड़ता है। यह फोरम उपयोगकर्ताओं को अन्य लेखकों से प्रश्न पूछने, टेंप्लेट एक्सेस करने और कार्यशालाओं के लिए साइन अप करने की अनुमति देते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह शेफ हो या मैकेनिक, घर पर रहने वाले माता-पिता या शिक्षक, इसमें भाग ले सकते हैं। *

पुस्तक प्रेमियों की सबसे पसंदीदा जगह होती है, पुस्तकालय, जहां जाकर वे मनचाही किताबें पढ़ते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी लाइब्रेरी के बारे में बता रहे हैं, जो अपने पाठकों तक खुद पहुंचती है। जानिए, उत्तराखंड की अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी के बारे में।

दूर-दराज तक किताबें पहुंचाती घोड़ा लाइब्रेरी

अनोखी पहल
डॉ. दीपक कोहली

घोड़ा लाइब्रेरी से अपनी मनपसंद किताबें चुनते युवा पाठक

लाइब्रेरी, यानी पुस्तकालय। एक ऐसी जगह, जहां ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला, दर्शन आदि अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों को सहेजकर रखा जाता है। वैसे तो दुनिया में एक से बढ़कर एक पुस्तकालय हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे चलते-फिरते पुस्तकालय के बारे में बता रहे हैं, जो अपने अनूठेपन के कारण पुस्तक प्रेमियों के बीच बहुत चर्चित है।

कहां है घोड़ा लाइब्रेरीः उत्तराखंड के नैनीताल की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अपने अनूठे शिक्षा अभियान विस्तार कार्यक्रम के लिए लोगों के बीच चर्चित हो रही है। वैसे तो यह मुख्य रूप से बच्चों के लिए शुरू की गई लाइब्रेरी है, लेकिन अपने अनोखेपन के कारण बड़ों के बीच भी कौतुक का विषय बना हुआ है। बच्चों के साथ-साथ बड़े भी इस लाइब्रेरी का लाभ उठाते हैं।

ऐसे नाम पड़ाः इस पुस्तकालय का नाम घोड़ा लाइब्रेरी इसलिए पड़ा क्योंकि एक घोड़ा अपनी पीठ पर किताबों की गठरी लेकर नैनीताल के कई गांवों में घूमता रहता है। घोड़ों के जरिए सड़क से दूर बसे दुर्गम गांवों के बच्चों के लिए किताबें पहुंचाई जा रही हैं। इनमें कोर्स की किताबों के साथ मनोरंजक और ज्ञानवर्धक साहित्य एवं पत्रिकाएं भी शामिल होती हैं।

ऐसे हुई शुरुआतः उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में दूरदराज के हिस्सों में, जहां सामान्य जीवन की जरूरतों को पूरा करना कठिन है। ऐसे में स्कूली छात्रों को उनकी जरूरत की किताबें मुहैया कराना बेहद मुश्किल होता है। साथ ही पत्रिकाएं और साहित्य पढ़ने में रुचि रखने वाले लोगों के लिए भी पत्र-पत्रिकाएं आमतौर पर उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांवों के बच्चों और बड़ों तक कोर्स की किताबों के साथ-साथ विभिन्न विषयों की किताबें और पत्र-पत्रिकाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय निवासी शुभम बधानी के दिमाग में इस अनोखी लाइब्रेरी को शुरू करने का आइडिया आया। बधानी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के तहत पहले उन गांवों को चुना गया, जो मुख्य सड़क से दूर स्थित हैं। जहां पहुंचने के लिए पहाड़ी नालों और झरनों को पैदल पार करना पड़ता है। तय किया गया कि इन गांवों में घोड़ों पर रखकर किताबें पहुंचाई जाएं।

कैसे काम करती है लाइब्रेरीः इस लाइब्रेरी के संचालन के बारे में शुभम बधानी बताते हैं कि वे गांव के शिक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ बच्चों से मिलकर पहले उनकी रुचि समझते हैं और उसी के अनुसार किताबें लेकर आते हैं। घोड़ा लाइब्रेरी का घोड़ा कई गांवों में उन लोगों के लिए रुकता है, जो पढ़ने के इच्छुक हैं। साप्ताहिक ट्रिप के माध्यम से एक ट्रिप में बच्चों को किताबें भेजी जाती हैं और अगले ट्रिप में दी गई किताबें वापस ले ली जाती हैं और नई किताबें उन्हें उपलब्ध कराई जाती हैं।

सुदूरवर्ती गांवों तक है पहुंचः आज उत्तराखंड के नैनीताल में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में इस लाइब्रेरी का भरपूर लाभ उठाया जा रहा है। हर वर्ग के छात्र और उनके अभिभावक भी इस अद्वितीय पोर्टेबल लाइब्रेरी का उपयोग कर रहे हैं। गांवों में बच्चों को अब पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री मिलने लगी हैं।

मिसाल है यह प्रयासः शहरी क्षेत्रों की बात करें, तो वहां लोगों को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए तमाम साधन उपलब्ध होते हैं, जैसे- टीवी, विशाल पुस्तकालय, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण संस्थान इत्यादि। इनके माध्यम से शहरी निवासियों को तमाम जानकारी आसानी से मिल जाती हैं। लेकिन सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चों और बड़ों के लिए इन सुविधाओं की उपलब्धता मुश्किल है। अभी भी सैकड़ों दूर-दराज के गांव ऐसे हैं, जो इंटरनेट से नहीं जुड़े हैं। अभी भी लाखों बच्चे हैं, जो बाहरी दुनिया के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांव के लोगों के हाथ में अच्छी किताबों का आना, किताबें पढ़ने का मौका मिलना एक सपने के सच होने जैसा है।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार और पढ़ने की आदत विकसित करने की दिशा में शुभम बधानी की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी है। बच्चों के माता-पिता और अन्य ग्रामीणों की भागीदारी की वजह से यह अभियान दिनों-दिन सफल हो रहा है। *

सक्सेस मंत्रा
अंजू जैन

दुनिया के सफलतम लोगों की जीवनयात्रा पर निगाह डालें तो पाएंगे कि उन सभी में अपने काम के प्रति भरपूर प्यार रहा है। सफलता पाने के लिए लगन और समर्पण कितना मायने रखता है, आप जरूर जानना चाहेंगे।

काम से करें प्यार तो सफलता मिले अपार

कई बार मन में सवाल उठता है कि दुनिया में कुछ ही लोग इतने सफल, चर्चित और समृद्ध क्यों होते हैं, जबकि ज्यादातर लोग एक औसत और गुमनाम सा जीवन जीते हैं? इसकी कई वजहें होती हैं, इनमें से कुछ के बारे में यहां जानते हैं।

कर्म को मानते हैं पूजा

वैसे तो दुनिया में लगभग सभी लोग अपनी आजीविका के लिए या नाम कमाने के लिए कुछ न कुछ काम करते हैं। लेकिन कुछ लोग ज्यादातर लोगों से बहुत आगे निकलकर अपने क्षेत्र में, कुछ अपने जिले या राज्य में और कुछ लोग इससे भी आगे बढ़कर देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं। उनके पास नाम, शोहरत, पैसा, सफलता सब कुछ होता है। जानते हैं क्यों? क्योंकि ये उन ज्यादातर लोगों में से नहीं होते, जो बेमन या मजबूरी में अपने काम को करते हैं। ये उन चंद लोगों में से होते हैं, जो अपने काम में पूरी तन्मयता से डूबे रहते हैं। दिन-रात उल्लास और उमंग से मेहनत करते हैं और धैर्यपूर्वक अच्छे नतीजे का इंतजार करते हैं। ऐसे लोगों का जीवनमंत्र होता है- कर्म ही पूजा है।

अपने काम से करें प्यार

आज के समय में सुनीता विलियम्स जैसी अंतरिक्ष यात्री हों या विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी, अंबानी, टाटा और अडानी जैसे उद्योगपति हों या अमिताभ बच्चन, शाहरुख जैसे एक्टर, इन्हें कौन नहीं जानता! ऐसे कई सारे लोग दुनिया में हैं, जो विश्वविख्यात हैं और सफलता के चरम पर हैं। हर कोई जानता है कि उनकी जिंदगी, काम और राह आसान कभी नहीं थे। इन्होंने अपने जीवन में अभूतपूर्व कठिन और जटिल परिस्थितियों का सामना किया। हार-जीत और आशा-निराशा के भंवर से न जाने कितनी बार जूझे हैं। कई बार इन्होंने खुद को उल्लास, उमंग, प्रशंसा और सफलता के शिखर पर महसूस किया और कई बार ऐसा भी महसूस किया कि मानो सब कुछ समाप्त हो चुका है और वे इतने नीचे जा चुके हैं कि आगे कुछ भी नहीं बचा। लेकिन इन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता

या काम में मेरा मन नहीं लगता। जानते हैं क्यों? क्योंकि इन्होंने अपने काम से जी भर कर प्यार किया, उसे ही अपना सब कुछ समझा और हमेशा धैर्य बनाए रखा। इसलिए आज सफल और महान लोगों की सूची में इनका नाम है। हाल ही अंतरिक्ष में करीब 9 महीने तक विषम परिस्थितियों में रहकर लौटी सुनीता विलियम्स ने कहा है, 'अगर आप मन लगाएं, दृढ़ संकल्प रखें और कोई रास्ता खोजें तो आप जो करना चाहें कर सकते हैं। आप कभी खुद को किसी चीज में जकड़ा हुआ महसूस ना करें। कुछ ऐसा खोजें जो आपको पसंद है। जैसे ही वह मिल जाए, आप उसे पूरे मन से अच्छी तरह करें, बस यही महत्वपूर्ण है।'

सकारात्मक दृष्टिकोण है जरूरी

सफलता और सुकून सकारात्मकता से ही मिलते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्ति अगर सफलता के शिखर पर हैं और समस्याओं का बेहतर तरीके से समाधान कर पाते हैं तो यह कोई जादू नहीं है बल्कि सीधा सरल विज्ञान है। इसका संबंध हमारे मस्तिष्क की क्षमताओं और इमोशनल इंटेलिजेंस से है। यह नतीजा 30 वर्षों के शोध से प्राप्त हुआ है, जो नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस लैबोरेट्री की प्रोफेसर बारबरा फ्रेडरिक के नेतृत्व में हुआ है। ब्रेन न्यूरॉन्स की आवाजाही पर आधारित अध्ययन बताते हैं कि सकारात्मक लोगों के मस्तिष्क का वेंट्रल टैगमैंटल एरिया अधिक सक्रिय होता है, जो उन्हें आशावादी बनाता है। सकारात्मक लोगों के ब्रेन के सर्किट्स उन्हें नए विचारों के लिए खुला बनाते हैं। हमारा सामाजिक व्यवहार कैसा होगा से लेकर हम समस्याओं को कैसे सुलझाते हैं, यह सब ब्रेन सर्किट से ही तय होता है। अपने मस्तिष्क को सकारात्मकता के लिए अधिक सक्षम बनाने के लिए निरंतर सकारात्मक दृष्टिकोण वाली भाषा का इस्तेमाल करना, चीजों के उजले पहलुओं को देखना और ऐसे सवाल पूछना जरूरी है, जो किसी भी परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ हल खोज कर उन्हें बेहतर बनाने पर केंद्रित हों। किसी ने बिल्कुल सही कहा है, परिस्थिति से सोच नहीं बनती बल्कि सोच से परिस्थिति बनती है।

मेहनत के साथ समर्पण जरूरी

जिन लोगों ने इस दुनिया में सफलता, नाम, दौलत और शोहरत पाई है, उन्होंने अपने काम को जी-जान से चाहा है। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान हों या अल्बर्ट आइंस्टीन, रतन टाटा हों या स्टीव जॉब्स, ये सभी अपने काम के प्रति पूर्ण समर्पित थे। ये सभी अपने काम को जुनून की हद तक चाहते थे। आपको यह मान कर चलना चाहिए कि आपकी प्रतिभा और आपका जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है। परफेक्शन और अच्छा नतीजा निरंतर एक्शन और समर्पण से ही आता है। अपना काम कीजिए और बाकी ईश्वर पर छोड़ दीजिए। यही महान धर्म ग्रंथ 'गीता' में भी कहा गया है। *

बड़ा पर्दा
हेमंत पाल

भक्ति के अनेक तरीकों में से एक है भक्ति गीतों यानी भजन के माध्यम से ईश्वर को याद करना। अनेक हिंदी फिल्मों में फिल्माए गए भक्ति गीतों को लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं। घरों और मंदिरों में ये गीत श्रद्धा-भक्ति के साथ सुने-सुनाए जाते हैं। भक्ति गीतों से सजी ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

भक्ति-गीतों से सजी यादगार हिंदी फिल्में

आज भी लोकप्रिय है फिल्म 'सुहाग' का भक्ति गीत

दर्शकों को खूब पसंद आई फिल्म 'जय संतोषी मां'

भगवान की भक्ति के लिए गीत या भजन गाना और सुनना बहुत लोकप्रिय है। फिल्मों में अकसर दिखाया जाता है कि किस तरह एक भजन सारे बुरे हालात बदल देता है। खास बात यह भी कि धार्मिक फिल्मों में ही भक्ति गीत हों, यह जरूरी नहीं। कई मल्टीस्टार एक्शन और रोमांटिक फिल्मों में भी ऐसे कई भक्ति गीत फिल्माए गए, जो लोकप्रिय हुए और आज भी इन्हें सुना जाता है।

शुरुआती दौर से जारी है सिलसिलाः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हम पाते हैं कि ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के जमाने से ही भक्ति गीतों को फिल्मों में शामिल किया जाता रहा है। उस दौर की कुछ फिल्मों के भक्ति गीत और भजन आज भी इतने लोकप्रिय हैं कि तीज-त्योहार पर ये बजते सुनाई देते हैं। फिल्मों ने ऐसे कई भजन और भक्ति गीत दिए हैं, जिन्हें सुनकर और गाकर कुछ पलों के लिए हम अपने दुःख भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में मन में विश्वास की एक ज्योति जल उठती है।

भरपूर सफल हुई 'जय संतोषी मां': धार्मिक फिल्मों और उसके प्रसिद्ध भक्ति गीतों की बात करें, तो 'जय संतोषी मां' को एक मिसाल के तौर पर देखा जा सकता है। 1975 में आई कम बजट की फिल्म 'जय संतोषी मां' को अपार सफलता मिली थी। इस फिल्म की गिनती अब तक की श्रेष्ठ ब्लॉकबस्टर फिल्मों में होती है। फिल्म की अपार सफलता में इस फिल्म के सभी गीतों का भी बड़ा योगदान था। उषा मंगेशकर, महेंद्र कपूर और मन्ना डे ने कवि प्रदीप के लिखे भक्ति गीत गाए थे। 'करती हूं तुम्हारा व्रत मैं स्वीकार करो मां', 'यहां-वहां जहां-तहां मत पूछो कहां-कहां', 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'मदद करो संतोषी माता', 'जय संतोषी मां', 'मत रो मत रो आज राधिके', फिल्म के सभी गीत उन दिनों तो खूब प्रचलित हुए ही, आज भी सुने जाते हैं। लोगों में इस फिल्म एवं इसके कलाकारों के प्रति भक्ति-भाव का ये आलम था कि फिल्म में माता संतोषी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अनीता गुहा को लोग पूजने लगे थे। 'जय संतोषी मां' में अभिनय करने वाले महिपाल ने भी अपने जीवन काल में 'संपूर्ण रामायण', 'वीर भीमसेन', 'वीर हनुमान', 'हनुमान पाताल विजय', जैसी सफल धार्मिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर में भगवान राम, कृष्ण, गणेश और विष्णु का किरदार इतनी बार निभाया कि असल जिंदगी में भी लोग इन्हें पूजने लगे थे।

'सुहाग' का यादगार भक्ति गीतः 1979 में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की फिल्म 'सुहाग' आई थी, जिसमें मां दुर्गा की भक्ति पर गाया गया भजन 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरोवाली' काफी लोकप्रिय हुआ था। फिल्म के इस भक्ति-गीत में अमिताभ और रेखा ने गरबा भी किया था। आशा भोसले और मोहम्मद रफी की आवाज ने इस गीत को यादगार बना दिया। आज भी नवरात्र और देवी पूजन के अन्य अवसरों पर यह गीत सुनाई देता है।

लंबी है फेहरिस्तः शुरुआत से लेकर अब तक की हिंदी फिल्मों की

बात करें, तो भक्ति गीतों से सजी हिंदी फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है। याद किया जाए तो ऐसे कालजयी भक्ति गीतों में 1965 में आई फिल्म 'खानदान' के गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके बृजबाला' को रखा जा सकता है। इस भजन को सुनील दत्त पर फिल्माया गया था। राजेंद्र कृष्ण के लिखे इस भजन को मोहम्मद रफी ने गाया था। जन्माष्टमी के अवसर पर अभी भी ये गीत गूंजता है। उससे पहले 1952 में आई फिल्म 'बैजू बावरा' का गीत मोहम्मद रफी की हिंदू भजनों के प्रति लगाव का सबसे बेहतर प्रमाण कहा जा सकता है। 'ओ दुनिया के रखवाले, सुन दर्द भरे मेरे नाले' के बोल आज भी किसी दुखी व्यक्ति का चेहरा सामने ले आते हैं। शकील बदायूंनी के लिखे इस गीत में नौशाद ने संगीत दिया था। 1954 में आई फिल्म 'तुलसीदास' के गीत 'मुझे अपनी शरण में ले लो राम' को भी मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी और बीते जमाने के विख्यात संगीतकार चित्रगुप्त ने इसे संगीत से सजाया था। गीत में राम को आराध्य मानकर अपना सब कुछ अर्पण करने की बात कही गई है।

ये तो बस कुछ उदाहरण मात्र हैं। ऐसे कितने ही भक्ति गीत हैं, जिसने फिल्म की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाई ही, आस्थावान दर्शकों एवं भक्तों के हृदय में भक्ति-भाव को भी प्रबल किया। *